सातवी मोहर

धन्यवाद, भाई। जब की हम खडे हुये है, हम प्रार्थना करे।

2 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जीवन के रचने वाले, और सारी अच्छी चीज को देने वाले, आत्मिक वरदानो के, अब हम वास्तव में आभारी है, इस बहुत शानदार श्रेष्ठ, आपकी उपस्थिति में एक संगति के समय के लिये; एक विशिष्ट महान चिन्ह हमारे जीवनो में प्रभु एक समय जिसे हम कभी नहीं भूलेगे, कोई मतलब नहीं हमे कितनी देर रुकना चाहिये। और हम प्रार्थना करते है परमेश्वर, कि इस समाप्ती की रात्रि... हम वचन पर ध्यान दे रहे हैं, पर्व के समाप्ती के दिनो में, यीशु उनके बीच खडा हुआ और पुकारा, "यदि कोई मनुष्य प्यासा हो, वह मेरे पास आये!" स्वर्गीय पिता मैं प्रार्थना करता हूं कि आज रात्रि यह फिर से दोहराया जायेगा, कि हम अपने प्रभु की आवाज को सुन सकते है कि हमें बुला रहा है और हमें अपनी सेवा के लिये बुला रहा है साथ–साथ चले। हम अनुभव करते है कि हमने उसकी आवाज पहले ही सुन ली है, इन मोहरो के खुलने में, बोलते हुये कि यह अन्तिम दिन है और समय निकट है, इन आशीषो को प्रदान करे, जो हमने मांगी है, पिता, यीशु मसीह के नाम में और उसकी महिमा के लिये। आमीन।

बैठ जाये।

3 मैं यह भी कहना चाहुगा कि सारी सभाये, जो कभी मैने अपने जीवन में की, मै विश्वास करता हूं यह सप्ताह मेरे जीवन की सेवाओ का सबसे शानदार समय रहा। कोई मतलब नहीं मेरे पास क्या... निसंन्देह मैने इसके पहले बडे–बडे आश्चर्यकर्म होते हुये देखे और चंगाई सभाये, परन्तु यह उससे भी बढकर है। यह एक बडा महान समय रहा है, मेरे जीवन कि विशिष्ट वह यहाँ है, और इस छोटे आराधनालय को इसकी भिन्न दृष्टी से देखा; केवल यही नहीं परन्तु भीतर से एक भिन्न दृष्टीकोण!

4 और अब, मैं बिली से पूछ रहा था; वह मुझे लेकर जाने के लिय लम्बी प्रतीक्षा कर रहा था, उसने कहा, वहाँ एक और झुण्ड का बपतिस्मा हुआ है, जो कि इस सप्ताह सौ से ऊपर निकल गया, उन लोगो का जिनका प्रभु

यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ। इसलिये, हम धन्यवादित है। और परमेश्वर आपको आशीष दे!

5 और, अब, यदि आपके पास अपनी कलीसिया ना हो तो हम आपको अपने साथ संगति करने के लिये निमन्त्रण देते है। बस स्मरण रखे, कि कलीसिया खुली है। हम कोई नामधारी नहीं है, और मैं आशा और विश्वास करता हूं कि यह कभी भी नामधारी नहीं होगा। बस एक संगति, जहाँ पुरुष और स्त्रियाँ और लडके और लडकियां परमेश्वर की मेज के चारो और मिलते है और वचन के साथ संगति करते है और हमारे पास सारी चीजे आम है।

6 अब हमारे पास एक शानदार पास्टर है, परमेश्वर का एक वास्तविक जन और मैं इसके लिये धन्यवादित हूं। यदि आपको दर्शन याद होगा, एक वर्ष पहले, कि खाना एक स्थान में जमा किया गया। और यह बिल्कुल ठीक बात है। और हम लोग...

7 हमारे पास सण्डे स्कूल की कक्षाओ के लिये पर्याप्त स्थान है, सारी आयू वालो के लिये और हम इस सौभाग्य के लिये आभारी है। किसी ने एक बार कहा, यदि उनके पास सण्डे की कक्षाओ के लिये हो, जहाँ वे अपने बालको को भेज सके। अब, आप, अब यह उनके पास है। इसलिये अब, इसलिये अब आप हमारे साथ आ जाये यदि आपकी अपनी कोई कलीसिया नहीं है।

8 निसन्देह, यदि आपके पास अच्छी कलीसिया है, जहाँ आप जा रहे है और सुसमाचार प्रचार आदि होता है, क्यों, वह हमारा दूसरा झुण्ड है, आप देखिये, कही और है। परन्तु यदि आपके पास कोई घर नहीं है और आप...

9 मैं समझता हूं कि बहुत से देश के दूसरे भागो से यहाँ आ गये है, कि इसे अपने घर कि कलीसिया बना ले। और हम निश्चय ही आपका प्रभु के वचन के लिये स्वागत करते है। और मुझे याद है, मैं समझता हूं, जब मैने छोडा, मैंने आपको यह बताया था कि—कि जहाँ तक मेरा सम्बन्ध था, यही इसी अराधनालय में होगी।

10 अभी मुझे नही मालूम कि प्रभु ने मेरे भविष्य के लिये क्या ठहराया है। मैने उसके हाथ का भरोसा करता हूँ, ना कि कोई अंध विश्वास या कुछ। मैं दिन प्रति दिन उसकी प्रतीक्षा करता हूं कि वह मेरी अगुवाई करे उस स्थान

के लिये जहाँ मैं उसकी अच्छी सेवा कर सकू। और जब वह पूरा हो जाये मुझ से तब मैं विश्वास करता हूं, वह मुझे घर बुला लेगा शांती में।

11 और, अब मैं अराधनालय के लोगो का उनके सहयोग के लिये आभारी हूं। जैसा कि इस सप्ताह बिली मुझे बता रहा था कि मैं सोचता हूं, कि मैं सोचता हूं हर घर जो अराधनालय के आपस पास है प्रतिनिधित्व करता है, उनके साथ कोई है। उन्होने उनके लिये अपने घर खोल दिये, और उनको अन्दर ले लिया जिनके पास रुकने को जगह नहीं थी, अब ये वास्तविक मसीही व्यवहार है। और कुछ घरो ने हर एक को लेकर हर छोटा कोना दे दिया ताकि लोगो को ठहरने का स्थान मिल पाये, इस कारण से यह कठिन समय है।

12 किसी प्रकार का मामला जो चल रहा है विश्व खेल के विषय में, किसी प्रकार कि बास्केट बाल या कुछ, और—और आरक्षित कर दिया गया। इसके अलावा बडा झुण्ड...

13 मैं सोचता हूं, इस छोटी कलीसिया में प्रतिनिधित्व किया यहाँ लगभग, अठाईस या तीस राज्यों का यहाँ प्रतिनिधित्व है, इस कलीसिया में, बाहरी दो राष्ट्रो के अलावा इसलिये और यह छोटी बेदारी, इसलिये इसने काफी स्थान घेर लिया, अपने में। जान जाता है...

14 आज मैं कुछ लोगो से पूछ रहा था। मैने कहा, "मैं समझता हूं, यहाँ आस–पास जैफरसनविले से बहुत लोग नहीं है, इस सभा में।"

15 किसी ने कहा, बोला, "हम अन्दर नहीं आ सकते।" भाई, यह यह ऐसा ही था, यही कारण था। कुछ पुलिस और आदि सभाओ में आना चाहते थे, परन्तु कहा, आस–पास बाते कर रहे थे, वे आये और वे अन्दर नहीं आ पाये, यह समय होने से पहले ही भर गया था। इसलिये यह उनका समय था, सम्भव है बाद में और वे नहीं आये। इसलिये अब लोग दूसरे स्थानो से आ रहे है, इसलिये हम बहुत ही आभारी है।

16 अब मैं नहीं जानता। अगली चीज इसके पीछे आयेगी, दूसरे सन्देश में तुरहियां होगी। परन्तु मोहरो में व्यवहारिक रुप से हर बात शामिल है। कलीसियायी युग आये और हमने उन्हे पहले रखा, जो कि विशेष थे... जो कि बहुत ही विशेष थे, परन्तु... उस समय, अब मोहरो का खुलना दिखाता है कलीसिया कहाँ जाती है, और इसका अन्त कैसे होता है। और अब मैं

सोचता हूं कि स्वर्गीय पिता निश्चय ही हमारे लिये अनुग्रहकारी होगा कि हमें देखने दे, कि हमारे पास क्या है।

17 और मैं यह पुरानी टिप्पणियो को देखते हुये कहता हूं, जो मैने प्रचार किया बहुत वर्षो पहले, मैं बस प्रवेश कर रहा था और जो मैने सोचा सही है कह रहा था, यह पंक्ति से बाहर था। और अब ये सारी चारो मोहरे, जो मेरे पास 20 मिनट के उपदेश में थी, सारी की सारी। प्रकाशितवाक्य के चार घुडसवार, मैने उनको एक साथ छोडा और कहा, "एक सफेद घोडा निकला," मैने कहा, "सम्भवत: यह आरम्भिक काल है और अगला घोडा आकाल में गया," और फिर इस प्रकार से। परन्तु मेरा, जब वास्तव में वचन खुला यह इससे सैकडो मील दूर था।

18 इसलिये, ये हमारे लिये उचित है कि ध्यान दे और प्रतिक्षा करे। और हो सकता है, यह इसी समय होना था कि इसे करे, बहुत सी बाते हो सकती है जो कही गयी, जो दूसरे लोगो के साथ सहमत होने योग्य ना हो। परन्तु मैं विश्वास करता हूं जब वह महान सिमटने वाला समय आता है, और हम अपने प्रभु से मिलते है, आप यह पायेगे कि यह सही था। यह—यह—यह वास्तव में है।

19 अब, लोग जो बाहर नगर से है, आस–पास विभिन्न स्थानो से विभिन्न राज्यो और राष्ट्रो से आये है, मैं आपकी सद्भावना की दूर से यात्रा करने कि सरहना करता हूं, और अपनी छुट्टीयाँ लेते है। और उन में से कुछ ऐसे कि रुकने का ठिकाना नहीं! मैं—मैं जानता हूं, क्योंकि मैं उनमें से कुछ को स्थान दिला पाया कि टिक जाये, यहाँ तक कि खाने को पैसे भी नहीं थे कुछ भी और इस प्रकार... और फिर भी आये जो भी हो किसी चीज कि घटित होने कि आशा में कि इसकी चिन्ता करे। और इसमें ऐसे महान विश्वास के साथ कि कोई मतलब नहीं यदि उनके पास खाना ना हो या रुकने का स्थान भी ना हो, वे इन्हे सुनने आना चाहते है, जो भी है यह बाते घटित हुयी। यह वास्तव में भव्य है, आप जानते है। और हर कोई इतना शत प्रतिशत रहा!

20 मैं वहाँ पीछे अपने साले से मिला, जो कि कलीसिया में चिनाई करने वाला है और आदि। मैं उसे इस विषय में बता रहा था कि मैने कैसे उसके कार्य कि सरहना की है। मैं कोई राज मिस्त्री नहीं हूं या इस विषय में कुछ

भी नहीं जानता। परन्तु मैं जानता हूं कि चौखुन्टा कोना क्या है और कि यह ठीक प्रकार से बैठाया गया है।

21 और उसने कहा, "मैं आपको बताऊंगा।" उसने कहा, "ऐसा समय कभी नहीं हुआ, कठिनता से कि कभी आपने ऐसी सुव्यवस्था लोगो के बीच देखी हो, जब वे सब मिल कर कार्य करते है।"

22 भाई वुड, भाई रोबरसन और हर एक बस अपने स्थान पर, हर चीज। और भाई जिसने ध्वनी यंत्र... मेरा अर्थ लोगो को सम्बोधित करने का साधन और हर चीज अराधनालय में। उन्होने कहा, "हर चीज सही कार्य कर रही है।" जब उन्हे किसी चीज की आवश्यकता होती तो वहाँ एक व्यक्ति खडा होगा कि इसे करे। इसलिये यह... परमेश्वर इस सारी योजना में, हम इसके लिये बहुत धन्यवादित है।

23 कलीसिया में बहुत से महान दानियों ने सहायता की कि इसे करे, जैसे कि हमारे भाई डाऊच और बहन डाऊच यहाँ पर बैठे है और बहुत से और जिन्होने भारी दान इसके लिये दिया। और मैं सोचता हूँ, ठीक समय पर, उन्हे कोई जरा भी घटी नहीं और इस सारे का भुगतान किया गया। इसलिये हम इसके लिये बहुत धन्यवादित है।

24 स्मरण रहे, यह आपकी कलीसिया है, क्योंकि आप मसीह के सेवक हैं। और यह इसलिये यहाँ बनाया गया है, एक खुला द्वार कि सेवक बनाये और सेवको के लिये जो पहले ही मसीह के सेवक है कि अन्दर आकर, और यीशु मसीह की संगति में अपने को आनन्दित करे। और हम आपको यह बता देना चाहते है कि हर किसी का स्वागत है।

25 और अब जब आप मुझे कभी अभिषेक के समय में संस्थाओ को प्रताडित करते हुये सुनते है, मैं—मेरा यह अर्थ नहीं है कि मैं आपके पास्टर के विरोध में हूं या कलीसिया में किसी भाई या बहन के विरोध में हूं। क्योंकि, फिर भी, परमेश्वर के लोग वहाँ हर संस्था में है। परन्तु वह संस्था को स्वीकार नहीं करता, वह संस्था में व्यक्तिगत को स्वीकार करता है। और... ये संस्था को नहीं लेता।

26 इसलिये जब लोग संस्था से बंध जाते है, तब वे कुछ नहीं देख सकते सिवाये वह जो कलीसिया कहती है, आप देखिये। और इस से दूसरो के साथ अलगाव आ जाता है, यह वह पध्दति है जिससे परमेश्वर प्रसन्न नहीं हुआ और यह संसारिक मामला है, परमेश्वर ने कभी नहीं ठहराया।

27 इसलिये, अब, मेरा अर्थ किसी व्यक्ति से नहीं, कैथोलिक, यहूदी ये जो भी है, या—या मैथोडिस्ट बैपटिस्ट प्रेसपिटेरियन कोई संस्था, संस्थाये नहीं और—और बिना नामधारी और सब, परमेश्वर के बालक वहाँ बैठे हुये है। समझे? और बहुत सी बार, मैं विश्वास करता हूं कि वे वहाँ पर किसी उदेश्य से है, कि उजियाला दे, उन पहले से ठहराये हुओ को खेच ले वहाँ हर जगह आसपास में है। और—और उस समय महान दिन में तब हम देखेगे, प्रभु यीशु मसीह कि कलीसिया उस महान सभा के समय हवा में बुलाई जायेगी, और हम सब उस से मिलने को ऊपर हवा में जायेगे। और मैं—मैं उस घडीं की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

अब बहुत कुछ है जो कहा जा सकता है!

28 और आज रात्रि, अंतत: अन्तिम रात्रि जैसा कि अक्सर हर कोई है... चंगाई सभा में, मैं आशा करता हूँ कि महान चीजे होंगी इस चंगाई सभा में, जो कि उन्हे तनाव, अधीरता में लाती है। और तब मैं आज रात्रि उसी चीज को पाता हूँ, कि हर कोई देखने की आशा में है कि कैसे... और हर रात्रि यह इसी प्रकार रहा, उन मोहरो के खुलने पर।

29 अब मैं इसे वास्तव में स्पष्ट कर देना चाहता हूं। हर बार, हर बार कि यह मोहरे स्थान पर आती है; हर चीज जो मैने कभी उन पर विश्वास किया और दूसरे लोगो को पढा उससे जो मेरे पास कमरे में आया विरुध्द है।

30 और मेरा मस्तिष्क इस समय... कारण कि चंगाई सभा इस प्रात: मैने रखी क्योंकि मेरा मानव मस्तिष्क मेरे अपने से मेरे विचारो से इतना दूर है। मैने कमरे में रुके रहने की कोशिश की पर्दे खींच कर और बत्ती जलाई। यह आठवा दिन हैं। और यहाँ तक कि अपनी कार में भी नही गया कि कहीं जाऊं।

31 मुझे कुछ भाईयो के साथ जाना पडा, वहाँ बैक में हस्ताक्षर करने को और कुछ नोट और चीजो पर, पैसो पर और चीजे जो इस कलीसिया के लिये उधारी ली गयी थी। परन्तु मैं—परन्तु मैं सीधा वापस आया और सीधा अध्ययन में चला गया।

32 और आश्चर्यजनक बात किसी भी एक व्यक्ति ने कुछ नही कहा। या अधिकांश वे खटखटाते है, और खींचते और आस–पास। वहाँ एक भी ऐसी बात नहीं हुयी। यह बहुत ही अद्भुत है।

33 जहाँ कि मैं भाई वुड के यहाँ खा रहा था। वह स्थान अधिकतर आस–पास कारो से भरा रहता है। और उनके पास आठ, दस विभिन्न लोग आकर उनके पास टिकते है, इस समय के चलते और उनमे से एक भी नही आया।

34 तब, इस सुबह, मैं इस सुबह को कभी नही भूलुंगा कि हमारे बचाने वाले का अनुग्रह उसके थके टूटे हुये दास पर। जब मैं बेचारे लोगो के प्रश्न का उत्तर दे रहा था और अपने अच्छे समझ से सोचते हुये कि मैने ठीक किया है। और अचानक से, जैसे कि यदि मुझे—मुझे किसी बालक से कुछ ले लिया गया हो, मैं इतना दोषी था, मुझे नहीं मालूम कि यह क्या था। और मैने सोचा, हो सकता है मुझ पर चंगाई सभा का दबाब है, हो सकता है कोई गम्भीर रुप से बीमार है, कि मुझे तभी प्रार्थना करना है। और मैने श्रोता मण्डली से पूछा, कुछ ही मिनटो में यह प्रकट हो गया था। और किसी ने कहा, "क्या आप अपना पढेगे—अपना मूलवाठ पढे? " या कुछ। और उस समय मैने कागज का टुकडा उठाया और उसे फिर से पढा, देखिये उसने क्या कहा। और पुस्तक पर देखा, और यह तो बिल्कुल भिन्न था, प्रश्न जिसका मैं उत्तर दे रहा था। समझे?

35 मैं इसे आप तक पहुँचा दू, जब अलौकिक अन्दर आता है यह मसीह का स्वभाव है। आप अपने विचारो से बहुत दूर होते है, जब तक कि आपके विचार में, मैं... यह, आप... मैं नहीं... मैं इसे स्पष्ट करने की कोशिश ना करु, क्योंकि मैं नहीं सकता। समझे? मैं यह नहीं कर सका। इसे कोई भी नहीं कर सका।

36 कैसे वह मनुष्य सका, यह ऐलिय्याह है वहाँ पहाड पर खडा हुआ है, परमेश्वर की उपस्थिति में और स्वर्ग से आग नीचे ले आता है, और फिर आग के पीछे वर्षा? और फिर आकाश को बन्द करता है और साढे तीन वर्ष तक वर्षा नहीं हुयी और फिर वापस जाकर बारिश को बुलाता है उसी दिन! और अभिषेक कि आधीनता में, कैसे... और चार सौ पुजारियो को लेकर और उन्हे मार डालता है; और फिर जंगल को भाग जाता है अपने जीवन के लिये चिल्लाता है, एक स्त्री की धमकी पर। समझे? इजाबेल उसने शपथ खाई थी की वह उसका प्राण ले लेगी। जब आहाब और सारे वे वहाँ परमेश्वर की उपस्थिति को देखने के लिये वहाँ थे और एक महान आश्चर्यकर्म हुआ, देखिये उसका... आत्मा उसे छोड गया। उसकी स्वभाविक विधी से

सोचने में वह नही जान पाया कि कैसे सोचे, देखिये। वह अपने लिये नहीं सोच सका।

37 और याद करे, स्वर्गदूत ने उसे नीद में डाल दिया उसे विश्राम दिया, उसे उठाया उसे कुछ रोटियाँ दी; और फिर से सुला दिया और उसे विश्राम दिया; और उसे उठाया, और उसे फिर से रोटियाँ दी और हम नही जानते कि उस मनुष्य का क्या हुआ, चालिस दिनो। तब उसे एक गुफा में बुलाया गया, कहीं और परमेश्वर ने उसे बुला लिया।

38 अलौकिक की व्याख्या करने का यत्न ना करे। आप यह नहीं कर सकते। समझे? करने के लिये केवल एक चीज है, आगे बढते जाये। और मैने अपने को स्पष्ट करने का यत्न किया है जैसा कि मैं कर सकता हूं, परन्तु अब से मैं... मैं सोचता हूं मैं अब कभी फिर को कोशिश नही करूंगा। आप बस पूरी रीति से विश्वास करेगे या नहीं। और मैं... आप देखेगे, थोडी देर के बाद, क्यों।

अब, मैं ईमानदार होने का यत्न कर चुका हूँ। परमेश्वर यह जानता है।

39 और वह प्रश्न इस प्रात:। मैं इसका उत्तर देने का यत्न कर रहा था, जितनी ईमानदारी से मैं जानता हूं कैसे, मैने बस पद का पहला भाग पढा और यह एक था... ठीक नहीं होगा, परन्तु पवित्र आत्मा समझ रहा था कि मैं... मेरा मस्तिष्क... देखिये, देखे पिछले दो या तीन दिनो से क्या घटित हो रहा था। देखिये, मैं—मैने सात सौ कह दिया... "सात हजार," सात सौ। इस प्रात: कोशिश कर रहा था और यह लोगो के द्वारा पकड लिया गया, देखिये और इसने यह दिखाया कि आप ध्यान दे रहे थे। अब, दूसरा वाला, जहाँ मैं यह कहने का यत्न कर रहा था "पंडुकी," और मैने इसे मेम्ना कह दिया; परन्तु ठीक वही पकड लिया। और फिर यहाँ, एक जो मैं वहीं पकड पाया, पवित्र आत्मा पीछे घूमकर पलटा और मुझे इस पर ध्यान दिलाया।

40 यह दुगनी पुष्टी कि ये बाते ठीक है। वे लोग... परमेश्वर इस पर ध्यान दे रहा है कि देखे कि यह सही है। यह ठीक बात है। वह चाहता है कि, वह चाहता है कि आप जाने कि यह सत्य है।

41 वही है जो इसे भेज रहा है, क्योंकि निश्चय नहीं था... यह मेरे लिये ऐसे ही था, एक सीखना, जैसे कि यह आप के लिये था। और इस प्रकार हम... मैं इस ज्ञान के लिये बहुत आभारी हूं, कि अब प्रभु को जानू, कि किस घडी

में हम जी रहे है; देखिये, ठीक समय के अन्त में जी रहे है, कलीसिया के ठीक चले जाने के पहले। अब, जरा...

42 हम बाते कर रहे है, इसलिये आईये उसकी आशीषो को उसके वचन पर फिर से मांगे।

43 हमारे स्वर्गीय पिता, यहाँ हम इस महान रात्रि में आते है एक महान घडी कि जब महान बाते घटी है। ये चारो ओर लोग। और पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आज रात्रि, बिना किसी सन्देह की छाया के यह मालूम पड जायेगा, लोगो के ह्दयो और मस्तिष्क में, कि वे जान जायेगे कि परमेश्वर अब भी सिंहासन पर है और कि वह अपने लोगो से अब भी प्रेम करता है।

44 और यह घडी है, वह घडी जिसकी संसार देखने की लालसा करता है, अब आ रही है, क्योंकि यह छुटकारे के लिये चिल्ला रहा है। हम देख सकते है अनुकुल वातावरण तैयार है कि इसे वापस लाये। हम देख सकते है, अनूकूल वातावरण तैयार है कि कलीसिया को मसीह कि उपस्थिति में लाये। हम देख सकते है कि—कि कलीसिया रुप धारण कर रही है, विवाह के वस्त्र को पहन रही है, तैयार हो रही है, हम बत्तियो को टिमटिमाते हुये देख सकते है। हम जानते है कि हम अन्त पर है।

45 अब स्वर्गीय पिता जैसे कि अब इसे प्रचार करने के लिये आगे बढते है, या इस महान घटना को सिखाने का जो कि महिमा में घटित हुयी, कुछ दो हजार वर्षो पहले और उस प्रिय चेले को दिया गया था, यूहन्ना को। और आज रात्रि हमे इस पर बोलना है। अब पवित्र आत्मा प्रकाशन की जोरदार शक्ति में सामने आये, ताकि हम पर उन चीजो को प्रकट कर सके जो वह हम को चाहता है कि हम जाने, जैसा कि वह पिछली कुछ रात्रियो में था। हम अपने आप को, आपको वचन के साथ समर्पित करते है, यीशु के नाम में। आमीन।

46 अब जैसा कि आप अपनी बाईबलो में निकालना चाहते है। और यह बस एक छोटा सा पद है, वचन का एक पद। परन्तु यह अन्तिम पद, ये पाया गया... बल्की, अन्तिम मोहर।

अब पिछली रात्रि हम छठवी मोहर पर बोल रहे थे।

47 पहली मोहर, का परिचय मसीह विरोधी के रुप में किया गया। उसका समय चला गया और हमने देखा वह कैसे गया।

48 कैसे वह पशु जिसका परिचय दिया गया, परमेश्वर की सामर्थ पर जो कि मसीह विरोधी के साथ उसका मुकाबला करने के लिये गया! मैं विश्वास नहीं करता कि इस विषय में किसी के मस्तिष्क में कोई प्रश्न हो सकता है।

49 और हम पाते है यह तुरन्त ही कलीसियायी युग के बाद है, वे पशु गये।

50 हमने पाया, उसमें होकर निकले, वहाँ हमने सारा चित्र बदल दिया, और कोई पशु निकल कर नहीं आये। समझे? परन्तु इसका परिचय कराया गया था, सामने आ रहा था, वहाँ विपत्ती के काल में, कलीसिया के चले जाने के पश्चात्।

51 कलीसिया काल में यह कैसे सही सिद्ध बैठता है! मैं रती भर भी नही देखता, एक भी चीज जो ठीक नहीं बैठती, यहाँ तक कि काले और हर चीज और समय। इस पर सोचे। यह दर्शाता है, यह परमेश्वर ने ही किया है मनुष्य मस्तिष्क इसकी थाह नहीं ले सका। और अब हम यह पाते है कि यह यह भी, हम...

52 प्रभु हम वचन को ले, पवित्र वचन को, जो यीशु ने कहा वही घटित होगा। और हम इसे कैसे कभी पायेगे? और यहाँ आकर और प्रकट करता और इसे बिल्कुल सही में। उसका उपदेश वहाँ इसका उत्तर देता, ठीक बिन्दू पर लाता है छ: मोहरो में, परन्तु वह सातवी को छोड देता है। समझे?

53 तब जब मोहरे खोली गयी थी, परमेश्वर, यहाँ पर ध्यान दे उसने यहाँ तक कि कोई प्रतीक सातवी वाली का नहीं दिया। समझे? यह परमेश्वर के पास पूरी रीति से गुप्त है। ध्यान दे। अब हम बाइबल में पढने जा रहे है, सातवी मोहर में जो कि प्रकाशित वाक्य के 8 वे अध्याय में पाया गया है।

जब उसने सातवी मोहर खोली तो स्वर्ग में, आधे घण्टे तक सन्नाटा छा गया।

54 इस पर केवल इतना ही हमारे पास है। अब हम ध्यान देने जा रहे है।

55 और कोशिश करेगे अधिक देर तक नहीं रुकेगे, क्योंकि आप में से बहुतो को यात्रा करनी है अभी आज रात्रि घर जा रहे है। और मैने फिर सोचा कि इस प्रात: चंगाई सभा करु जिससे कि आप सुबह जा पाये, और प्रतिक्षा नहीं करनी पडेगी। और अब हम...

56 और मैं भी, मुझे भी ट्यूसान ऐरीजोना की यात्रा करनी है जहाँ मैं रहता हूं और अब यह मेरा घर है। और फिर मैं—मैं यहाँ वापस आना चाहता हूं प्रभु ने चाहा, परिवार जून में कुछ दिनो के लिये आना चाहता है। और, अब, हो सकता है मैं आप से यहीं मिलुगा, एक सभा उस समय में।

57 मेरी अगली सभा एलबकरीक्यू, न्यू मेक्सीको में निर्धारित है, मैं सोचता हूं यह नौ, दस और ग्यारह है। मैं वहाँ पर रविवार और गुड फ्राईडे पर होऊगा। इसलिये मुझे सारी चीजे लेनी थी और मेरे और भी नियोजित सभाये जिन्हे उस समय तक नहीं कर सकुगा। इसलिये मैं रविवार रात्रि और शुक्रवार रात्रि एलबकरक्यू न्यू मैक्सीको में होऊगा ही।

58 और फिर—और फिर वह अगली जानकारी लगभग बन्द है। हम निश्चित रुप से नहीं जानते। यह मेरे अच्छे मित्रो के पास है *आधी रात का शोर मचाने वाला* झुण्ड, यहाँ दक्षिणी पाईन, नोर्थ केरोलीना में।

59 और अब इस समय वे फोन पर हैं, जिसके लिये उन्होने टेलीग्रामों से सन्देश भेजा और सारी बाते और इस समाप्ती पर आ रहे है दूसरे झुण्ड के लिये लिटिल रोक पर; यीशु नाम के लोग, जिनके साथ मेरे सभा काव पेलेस में पिछली गर्मियो में हुयी थी। वे अपनी बेदारी सभा लिटिल रोक अरकनसास में कर रहे है। और पिछले वर्ष से वे कम से कम एक रात्रि कि सभा चाह रहे है, या इसका कुल मिलाकर चाहते है, परन्तु वे यहाँ तक की एक रात्रि के लिये भी तैयार होगे और इसलिये मैने उन्हे बता दिया, ना मालूम होते हुये क्या करना है। मैने कहा वे इस के लिये, "सम्भावित" विज्ञापन कर सकते है। तब वे इसे थोडा बाद में बता सकते है।

60 क्या उसने अभी फोन किया है? ओह। हो ठीक है। क्या कहता है? [एक भाई कहता है, "हॉट स्प्रिग।"—सम्पा।] हॉट स्प्रिग, यही है? मैने गलती की थी। ["चौबीस।"] चौबीस... ["मई।"] मई? [कोई कहता है, "24 से 28 जून"] 24 से 28 जून। अब यह घोषणा हो गयी "सम्भावित" यही, "यदि यह प्रभु कि इच्छा है।" समझे? मैं होऊगा...

61 यहाँ वह कारण है मैं इन बातो को करना पसन्द करता हूं। आपको थोडे समय बाद मालूम हो जायेगा, अब, देखिये। जब मैं एक स्थान में जाता हूं मैं अपने पाव को यह जानते हुये रखना चाहता हूँ कि परमेश्वर ने कहा है, "वहाँ जाओ।" तब यदि शत्रु कहीं पर खडा होता है, मैं कहता हूं, "मैं यहाँ प्रभु यीशु के नाम से हूं, पीछे हट जा!" समझे? समझे? समझे? और आप

अपने स्थान पर निश्चित है, देखिये। जब वह आपको कही भी भेजता है, वह आपकी चिन्ता करेगा। समझे? परन्तु यदि आप मान कर जाते है तो मैं नही जानता हो सकता है वह वहाँ ना हो। इसलिये जितना हो सकता है मैं निश्चित होना चाहता हूं, मैने बहुत से लिये, उसने मुझे लेने को नही कहा। परन्तु मैं—मैं जहाँ तक सम्भव हो निश्चित होना चाहता हूं। अब प्रभु आप सब को आशीषित करे।

62 अब, अब हम ध्यान देते है, यह बस एक पद है, हम थोडा सा कुछ करना चाहते है—यहाँ पहले थोडा सा। आप ध्यान दे, हमने सातवा अध्याय छोड दिया छठवा अध्याय छठवी का अन्त है, छठवी मोहर का परन्तु छठवी मोहर और सातवी मोहर के बीच, वहाँ कुछ घटित होता है। समझे? और कितने—कितने प्यारे ढंग से इसे वहाँ पर रखा गया है, छठवे और सातवे अध्याय के बीच। अब आप ध्यान दे, सातवे अध्याय में हम ध्यान देते है, छठे और सातवे के बीच में वहाँ मध्यान्तर है। एक मध्यान्तर प्रकाशितवाक्य पुस्तक के छठवे और सातवे अध्याय के बीच, और यह मध्यान्तर छठवी और सातवी मोहर के बीच में दिया गया है। हम चाहते है, इस पर ध्यान दे। यह बहुत ही विशेष है कि हमने इस छोटे समय पर ध्यान दिया।

63 अब स्मरण रखे, प्रकाशितवाक्य के चौथे अध्याय के बाद कलीसिया जा चुकी है। चार घुडसवारो के निकल जाने के बाद कलीसिया जा चुकी है। समझे? हर चीज जो कलीसिया के लिये घटित हुयी ये प्रकाशितवाक्य के चौथे अध्याय तक हुआ, हर चीज जो मसीह विरोधी के कार्य में हुयी चौथे अध्याय तक गयी। और प्रकाशितवाक्य की चौथी मोहर दोनो, मसीह विरोधी और मसीह के लिये समाप्त हो गयी। और मसीह विरोधी अपने नाश पर आता है, और अपनी सेना के साथ; और मसीह अपनी सेना के साथ आता है।

64 यह वह पुराना युध्द है जो समय से पहले आरम्भ हुआ। और तब वे, वे... शैतान और उसके दूतो को लात मार कर निकाला गया और तब वे पृथ्वी पर आये। और युध्द फिर आरम्भ हो गया, क्योंकि हवा ने वह रुकावट तोड दी, जहाँ से उसे अलग रखा गया था परमेश्वर के वचन के पीछे। और तब उस घडी से, शैतान ने परमेश्वर के वचन के ऊपर युध्द को जीत लिया, क्योंकि उसकी प्रजा का एक, उस निर्बल ने बाडे को गिरा

दिया। और ठीक इसी प्रकार से उसने हर बार युद्ध को जीता है, क्योंकि उसकी प्रजा का एक उसने बाडे को वचन से गिरा दिया।

65 और यह कलीसियायी काल के अन्त में किया गया। उस संस्था तन्त्र के द्वारा होते हुये। जो कि वास्तविक, मूल जीवित परमेश्वर कि पवित्र कलीसिया झूठे घुडसवारो के साथ वचन को स्वीकार नहीं करेगी और कलीसिया को वचन से धर्म सिध्दान्त की ओर मोड देगे।

66 अब कितने इस बात को जानते है कि यह धर्म सिध्दान्त है जिस पर रोमन कैथोलिक कलीसिया बनी है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या वे इसे नहीं मानते है? बिल्कुल। निश्चय। निश्चय ही वे इसे मानते है, इतना ही सब नहीं, कैथोलिक, निश्चय ही यह उनकी भावनाओ को थोडी भी ठेस नहीं पहुंचायेगा, क्योंकि वे ये जानते है। उन्होने हाल ही में एक नया जोडा है, यहाँ अधिक समय नहीं हुआ कि मरियम जी उठी थी, आपको याद है कुछ वर्षो पहले, लगभग दस वर्षे पहले, कितनो को यह याद है? ["आमीन।"] वहाँ अखबार में, निश्चय ही। समझे? हर चीज एक नया "धर्म सिध्दान्त।" देखिये, ये सब धर्म सिध्दान्त है, ना कि वचन। समझे?

67 हाल ही में एक पादरी अपने साक्षात्कार में उसने कहा, "श्री ब्रन्हम," उसने कहा, "परमेश्वर अपनी कलीसिया में है।"

मैने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है।"

उसने कहा, "हमें विवाद नहीं करना चाहिये।"

68 मैने कहा, "मैं तर्क वितर्क नहीं कर रहा हूं। मैं एक वक्तव्य दे रहा हूं। परमेश्वर अपने वचन में है। यह ठीक है। 'कोई भी जो इसमें से कुछ निकालेगा या इसमें कुछ जोडेगा,' कहे हुये वचन में।"

69 उसने कहा, "भाई परमेश्वर ने दिया... मसीह ने अपनी कलीसिया को अधिकार दिया है, और उन्हे बताया: वे जो भी पृथ्वी पर बांधते है, स्वर्ग में बांधा जायेगा; और क्या... "

मैने कहा, "यह बिल्कुल ठीक सत्य है।"

70 उसने कहा, "हमारे पास है... इस सिध्दान्त पर, हमारे पास सामर्थ है कि पाप को छुडाये।"

71 और मैने कहा, "यदि आप ये करेगे जिस प्रकार से यह कलीसिया को दिया गया है और जिस प्रकार से उन्होने किया, मैं इसे स्वीकार करूंगा। यदि आप करते है, यहाँ जल है, कि 'आपके पापो की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा दिया जाये,' ना ही किसी के कहने पर कि तुम्हारे पाप क्षमा किये गए है।" समझे? समझे? ये ठीक वैसे ही।

72 ध्यान दे, पतरस चाबियो के साथ, पेन्टीकोस्ट के दिन, याद रखे उसके पास कुंजिया थी जिसके विषय में वे बाते कर रहे है। और उन—उन मुनष्यो ने कहा, "पुरुषो और भाईयो, हम बचने के लिये क्या कर सकते है? "

73 पतरस ने कहा, "तुम में से प्रत्येक प्राश्चित करे, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले" (किसलिये) "पापो की क्षमा के लिये, और तब आप पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम से और तुम्हारे बालको से, जो दूर–दूर है, जिनको हमारा प्रभु परमेश्वर बुलायेगा।" यह ठीक बात है। इसलिये यह सदा के लिये तय हो गया। यह सब पूरा हुआ। इसने यह किया।

74 अब, परन्तु आप देखिये मसीह विरोधी अन्दर आता है जैसा कि हमने चित्रित किया और इसे दर्शाया। क्या ही प्रकाशन है! ओह! ओह! और इन सारे वर्षो में सोचना हम ने इसे बढते हुये देखा। और यहाँ यह पूरी रीति से सीधा–सीधा यहोवा यों कहता है।

75 अब, और अब हम इस मध्यान्तर पर ध्यान देते है, छठवे और सातवे अध्याय के बीच में। अब यहाँ प्रकाशितवाक्य का सातवा अध्याय एक—एक घटना को प्रकट करता है। यह यहाँ बिना किसी अर्थ के नही है, कि यहाँ इसके बीच में बिन बात के रखा है। समझे? यह यहाँ एक उदेश्य के लिये है और यह प्रकाशन किसी चीज को प्रकट करता है। ध्यान दे, कितना भेद भरा और कितने हिसाब से ये यहाँ वचन में ठीक बैठाया गया! समझे? बिल्कुल ठीक।

76 क्या आप परमेश्वर के गणित में विश्वास करते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] यदि आप नही रखते, तो आप निश्चय ही इसमे खो जायेगे निश्चय ही आप वचन में भटक जायेगे, यदि आप चार या छ: रखना आरम्भ कर देते है, या—या कुछ, बजाये हिसाब के वचनो से जो क्रम में चल रहे है। तो निश्चय ही आपके दृश्य में गाय पेड की चोटी पर घास खा रही

है, कही भी। निश्चय ही आप भटक जायेगे। क्योंकि परमेश्वर नही करता... उसका सारा वचन पूरी रीति से गणित में दौडता है। जी हाँ, श्रीमान। सिद्ध, बहुत ही सिद्ध! कोई भी साहित्य इस प्रकार से नहीं लिखा गया, जैसे यह, गणित में बहुत ही सिद्ध, गणित में।

77 अब, वह—वह केवल आठवा अध्याय दृश्य को प्रकट करता है सातवी मोहर के दृश्य को, जहाँ कुछ भी प्रकट नही किया गया, अब कुछ नहीं। सातवी मोहर में प्रकट नहीं किया गया... अब इसका प्रकाशितवाक्य सातवे अध्याय से कोई मतलब नहीं। यह सातवी मोहर को प्रकट कर रहा है, यह बिल्कुल शांत है। और यदि मेरे पास केवल समय होता... मैं कुछ स्थानो में दिखाने की कोशिश करूंगा।

78 पीछे उत्पत्ती से लेकर, यह सातवा अध्याय... या यह सातवी मोहर बोली गयी है। आरम्भ से ही उत्पत्ती में, यह सातवी मोहर...

79 यह मोहरे आगे बढती गयी। क्या आप स्मरण कर सके इस प्रात: इन बातो को सामने ला रहा है? और आज रात्रि ध्यान दे उन्हे सामने ला रहा है और आप पाते है, जब यह सातवी मोहर पर आता है, वह रुक जाती है [भाई ब्रन्हम एक बार चुटकी बजाते है।—सम्पा।] जी हाँ।

80 यीशु मसीह अपने में बोल रहा है, अन्त समय के लिये बताया और जब उसे मिला... सारी छ: मोहरे बता दी, जब वह सातवी पर आया वह रुक गया। देखिये, यह यहाँ पर है, यह एक महान बात है।

81 अब, अब हम इस सातवे अध्याय पर बोलने जा रहे है एक मिनट, इसे एक प्रकार से जोडना छठवी और सातवी के बीच। क्योंकि केवल यही सामग्री है जिस पर हमे जाना है ठीक इस समय छठवी मोहर है... छठवी और सातवी मोहर के बीच, इस्राएल का बुलाया जाना है।

82 अब मेरे बहुत से अच्छे यहोवा विटनेस के मित्र है, यहाँ बैठे हुये है, बस... या रहे है। हो सकता है, उनमे से कुछ अब भी यहोवा विटनेस हो। परन्तु उन्होने सदा श्री रसल ने जो किया उसे ही लागू किया, यह एक लाख चवालीस हजार का अलौकिक मसीह कि दुल्हन होना। समझे? वे... यह नहीं है।

83 इसका कलीसियायी युग से कोई लेना देना नहीं है बिल्कुल नहीं। ये पूरी रीति से इस्त्राईली है। अब, हम कुछ मिनटो में पढने जा रहे है। अब यह मध्यान्तर छठी, मोहरो के बीच, बुलाया जा रहा है और मोहरबंद किया जा

रहा है, इन एक लाख चवालीस हजार यहूदियो को पीढा के काल में बुलाया गया, कलीसिया के चले जाने के बाद। समझे? इसका कलीसियायी युग से कुछ भी लेना देना नहीं है। ओह, बुलाये गये और सिद्धता के साथ पवित्र वचन के साथ एक सामजस्य में है, दानिएल के अन्तिम साढे तीन सप्ताह जो दानिएल के "लोगो," के लिये ठहराये गये, देखिये, अन्यजाति के लिये नहीं। दानिएल के "लोग" और दानिएल एक यहूदी था!

84 अब इस्राएल पर ध्यान दे, इस्राएल केवल अपने भविष्यद्वक्ताओ का विश्वास करता है, और जब वह प्रमाणित हो जाता है।

85 और कलीसियायी युग में से होते हुये कहीं नहीं जब से आरम्भ के चेलो कि कलीसिया, प्रोटेस्टेन्टो कलीसिया मे कभी कोई नबी नहीं था। मुझे बताये, वह कौन था, और मुझे दिखाये, कभी नहीं! उनके पास प्रारंभिक प्रेरित युग में थे, एक अगुबुस था, जो कि प्रमाणित भविष्यद्वक्ता था। परन्तु... जब अन्यजाति अन्दर आये, परमेश्वर के उत्तराधिकार होने को और पौलूस अन्यजाति की ओर फिर गया, पतरस के बाद, जैसा हमने बीती रात्रि में पढा प्रभु से प्राप्त किया, "वह अन्यजातियो में से लोगो को अपने नाम के लिये ले रहा था, उसकी दुल्हन," तब से इतिहास के पन्नो पर उनके पास अन्यजाति का भविष्यद्वक्ता कभी नहीं था। अब आप जरा पीछे इतिहास में से होकर निकले और ढूढे। क्यों? ठीक, यह वचन के विरोध में होगा। बिल्कुल सही।

86 जब पहले वाला निकला, एक सिंह था, यह परमेश्वर का वचन था।

तब अगला वाला गया, कार्य था, बलिदान।

अगला आया एक मनुष्य कि चतुराई था।

87 परन्तु हम से प्रतिज्ञा की गयी है, कि अन्त के दिनो में यह कलीसिया में फिर वापस आयेगा, हर चीज को सही करने के लाभ के लिये जिससे भटका दिया गया, चूक गये, अधूरा, अधूरा छोडा गया। क्योंकि इस बात की भविष्यवाणी की गयी कि यहाँ सातवे दूत का सन्देश परमेश्वर के हर भेद को समाप्त कर देगा। और फिर, हमने इस सब में होकर देख लिया है। हम यह देखते है कि पूरी रीति से यह वचन के साथ सामजस्य में है। यही कारण है।

88 अब, क्या आप कल्पना कर सकते थे, जब यह व्यक्ति दृश्य में आता है? जब वह यह करता है, स्मरण रखे, ये इतना नम्र होगा और चीजे यहाँ तक

कि कलीसिया इसे बहुत दूर से चूक जायेगी। और क्या आप कल्पना कर सकते है कि कलीसियाये अब भी सुधारको के रीति रिवाजो के आधीनता में है, कभी परमेश्वर कि ओर से एक भविष्यद्वक्ता को स्वीकार करेगे, जो की दृढता से उनकी शिक्षा और संस्थाओ के विरोध में होगा?

89 अब यहाँ केवल एक ही व्यक्ति ये पूरा कर सकता है केवल एक आत्मा जो कभी इस पृथ्वी पर था जिसको मैं जानता हूं। या तो... इस समय यह एलिय्याह होगा। और इसकी भविष्यवाणी की गयी थी कि यह होगा, जो कि सिवाये मसीह के आत्मा को छोड और कुछ नहीं है।

90 जब मसीह आता है, वह परिपूर्णता था। वह भविष्यद्वक्ता था। वह भविष्यद्वक्ताओ का परमेश्वर था। समझे? समझे?

91 मसीह, देखिये उन्होने उस से कैसे घृणा की। परन्तु वह ठीक उसी प्रकार आया जैसा वचन ने कहा कि वह आयेगा। परन्तु यह होते हुये वह एक भविष्यद्वक्ता था, उन्होने स्वयं अपने लिये परमेश्वर के राज्य की भर्तस्ना की, परमेश्वर का आत्मा जो कि विचारो को परखने वाला और आदि था, "एक प्रेत आत्मा।" कहा, "वह एक था—वह भावी बताने वाला था, या एक शैतान।" यही।

92 भावी बताने वाल एक शैतान है, देखिये, शैतान का आत्मा। निश्चय ही। क्या आपको यह मालूम है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] निश्चय ही। भावी बताना एक भविष्यद्वक्ता की नकल है, जो कि पूरी रीती से परमेश्वर के सामने ईश निन्दा है।

93 अब ध्यान दे। वचन के साथ सिद्ध सामजस्य में बुलाया, दानियेल के अन्तिम साढे तीन वर्षो में।

94 ध्यान दे, इस्राएल के विश्वासी पुराने नियम में केवल विश्वासियों को बताया गया, कि जब भविष्यद्वक्ता प्रमाणित हो जाये तो अपने भविष्यद्वक्ता का विश्वास करना। "यदि तुम्हारे बीच में कोई हो, जो कि आत्मिक हो या एक भविष्यद्वक्ता हो, मैं प्रभु... तेरा परमेश्वर उस पर अपने को प्रकट करुगा और उस से दर्शनों में, स्वप्नो के द्वारा स्वप्नो के अनुवाद के द्वारा बाते करूंगा।" किसी को स्वप्न आता है, भविष्यद्वक्ता योग्य होगा कि उसका अर्थ बताये। और यदि—यदि उसे दर्शन मिला तो वह इसको बोलता है। "मैं उस पर अपने आपको दर्शनों और स्वप्नो के द्वारा प्रकट करुगा। और यदि जो वह कहता है घटित हो जाये तो उस भविष्यद्वक्ता कि सुनना

क्योंकि मैं उसके साथ हूं, यदि यह नहीं होता, तो फिर उसकी ना सुनना।" जी हाँ। यह ठीक बात। "अलग हो जाओ, उसे बस छोड दो, देखिये।" अब यह...

95 अब, इस्राएल सदा इसका विश्वास करने जा रहा है। और क्या आप नहीं देखते? क्योंकि क्यों?

अब मैं चाहता हूं कि आप इस अच्छे पाठ को आज रात्रि पकड ले, अब।

96 क्यों? क्योंकि परमेश्वर की ओर से यह आज्ञा उनके लिये है। मैं चिन्ता नही करता कि अन्यजाति वहाँ जाकर कितनी भी पुस्तके बाटते रहे। मैं चिन्ता नहीं करता, आप अपनी बगल में बाइबिल लेकर कितना भी *वहाँ* जाये *यह* और *वह* प्रमाणित करते रहे; वे सिवाये भविष्यद्वक्ता के कुछ भी स्वीकार नहीं करेगे। यह बिल्कुल ठीक बात है। क्योंकि, भविष्यद्वक्ता ही केवल एक होता है जो दिव्य वचन को ले सकता है, और उसे उसके स्थान पर रखता है, और एक प्रमाणित भविष्यद्वक्ता होना है। वे इसका विश्वास करेगे। यह ठीक बात है।

97 मैं यहाँ बेन्टन हरबर में एक यहूदी से बाते कर रहा था जब वह जॉन रेयन जो अपने जीवन भर अंधा रहा, लगभग अपनी दृष्टी को पाया। वे मुझे वहाँ लेकर गये, उस डेविड के घर में, और यह रब्बी अपनी लम्बी दाढी के साथ आया। उसने कहा, "किस अधिकार के द्वारा तुमने जौन रेयन को उसकी दृष्टी दी? "

मैने कहा, "यीशु मसीह के नाम में, परमेश्वर का पुत्र।"

98 उसने कहा, "परमेश्वर से यह बात दूर रहे कि उसके पुत्र हो!" समझे? और उसने कहा, "तुम लोग परमेश्वर को तीन टुकडो में नही काट सकते और उसे यहूदी को दे, उसमें से तीन परमेश्वर बनाये; तुम मूर्ती पूजको का झुण्ड हो!"

99 मैने कहा, "मैं उसे तीन टुकडो में नही काटता।" मैने कहा, "रब्बी, क्या यह बात तुम लोगो के लिये विचित्र नही होगी कि तुम यह विश्वास करो कि भविष्यद्वक्ताओ में से एक कुछ गलत बताता है? "

उसने कहा, "हमारे भविष्यद्वक्ता कुछ भी गलत नही बताते।"

मैने कहा, "यशायाह 9:6 किस विषय में बोल रहा था? "

उसने कहा, "मसीहा के।"

100 मैने कहा, "तो फिर मसीह मनुष्य भविष्यद्वक्ता होगा। क्या यह ठीक बात है? "

कहा, "जी हाँ श्रीमान यह ठीक बात है।"

101 मैने कहा, "मुझे दिखाओ यीशु कहां पर चूका।" उसने कहा... मैने कहा, "मसीह–भविष्यद्वक्ता का परमेश्वर से क्या सम्बध? "

उसने कहा, "वह परमेश्वर होगा।"

मैने कहा, "यह ठीक बात है। अब आप यह वचन पर आ गये।"

102 इसी प्रकार मेरी सहायता की, वह यहूदी वहाँ खडा था और आंसू उसके गालो पर लुढक रहे थे, कहा, "मैं आप से बाद में सुनुगा।"

मैने कहा, "रब्बी, आप यह विश्वास करते है? "

103 और उसने कहा, "देखिये," उसने कहा, "'परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरो से अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न करे।'" मैं जान गया कि वह नये नियम में था।

मैने कहा, "रब्बी! यह ठीक बात है। अब इस विषय में क्या है? "

104 उसने कहा, "यदि मैं यह प्रचार करता हूं, तो मैं वहाँ नीचे होऊगा," आप जानते है उनका स्थान वहाँ पहाड पर था, "वहाँ नीचे सडक पर अपनी रोटी माग रहा हूं।"

105 मैने कहा, "मैं नीचे अपनी रोटी मांग रहा हूं, बजाये कि।" यहूदी का हाथ अब भी पैसो पर है, आप जानते है। देखा? देखा? "बल्की मैं चाहुंगा... " और उसका नाम सोने से उस पर... मैने कहा, "मैं नीचे होना चाहुंगा, नमकीन बिस्कुट और सोते का पानी पीऊ और यह जानू कि मैं परमेश्वर के साथ सामजस्य में हूं और सच्चा; बजाये कि मेरा नाम इस इमारत पर हो इस प्रकार सुनहरे अक्षरो में और जानते हुये कि मैं परमेश्वर से अलग था, मैं यह जानता हूं।" वह मेरी और नही सुनेगा, इसलिये वह अन्दर चला गया।

106 परन्तु यह यही है, आप परमेश्वर को दो या तीन टुकडो में नहीं काट सकते, जो "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," कहलाये और तीन परमेश्वर बना कर और यहूदी को दे, उसकी यही आज्ञा है, "मेरे समक्ष तेरा कोई दूसरा ईश्वर ना हो, मैं तेरा प्रभु परमेश्वर हूं।" यीशु ने क्या कहा? यीशु ने कहा, "'ऐ इस्राएल सुन मैं तेरा प्रभु परमेश्वर हूं, एक परमेश्वर।'" ना कि

तीन; आप उन्हे किसी को नहीं देगे। नहीं। कोई भविष्यद्वक्ता तीन परमेश्वरो के विषय में कभी बात करता है। नहीं। कही नहीं। आप इसको कभी नहीं सुनेगे। नही, श्रीमान। यह पागन और मूर्ती पूजक है, जहाँ से यह आता है। जी हाँ, श्रीमान।

107 ध्यान दे, परन्तु ये भविष्यद्वक्ता आयेगे। केवल इतना ही नही वे—वे भविष्यद्वक्ता अब प्रकाशितवाक्य ग्यारह है। इसमे से हम कुछ पढ चुके है और मैं चाहता हूं कि जैसे कि आप अध्यन करे इसे पढे, टेपो इत्यादी पर। वे लोग पूरी रीति से प्रमाणित भविष्यद्वक्ता है, भविष्यद्वक्ता के चिन्हो के द्वारा। तब इस्राएल यह सुन ने जा रहा है।

108 अब, आपके लिये मेरे यहोवा विटनस के मित्रो, अब समझ ले कि इन एक लाख चवालीस हजार का दुल्हन से कोई लेना देना नही है। वचन का एक बिन्दू भी इसका समर्थन नहीं करता। नही, श्रीमान। वे नहीं है। वे यहूदी है, ये चुने हुये है जो दानिएल के सत्तरवे सप्ताह के अन्तिम साढे तीन सालो के समय में बुलाये गये है। अब ये...

109 मैं—मैं इसका उल्लेख करता रहुंगा, आपके लिये अधिक नहीं जो यहाँ है, परन्तु देखिये, लोग, ये टेप सब जगह जाते है आप देखते है। और आप ये समझते है, आप मुझे वापस उल्लेख करते हुये सुनते है। ये किसी उदेश्य के लिये है।

110 ध्यान दे। अब देखिये उन्हे कैसे अन्धा होना था, क्या आप देखते है कैसे वे हुये यीशु, या परमेश्वर ने यहूदियो को अन्धा करना था, कि वे यीशु को ना पहचान सके। यदि वे जानते, यदि वे केवल यह जानते कि... उन चिन्हो को देखते हुये जो उन्होने किये यदि वे अपनी सही स्थिति में होते, जैसे वे पीछे व्यवस्था की आधिनता में थे, जब परमेश्वर ने उन्हे एक भविष्यद्वक्ता के विषय में आज्ञा दी थी और उन्होने यीशु को यह करते देखा कि वे कहेगे, "यह मसीहा है।" यह क्यो था?

111 वे जो उस युग में, वे जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में लिखे थे, उसके चेले और आदि, उन्होने ये देखा और इसे पहचान लिया।

112 उन बाकियो ने क्यों नही? देखिये, वे अन्धे किये गये थे, वे इसे नहीं देख सके, वे इसे नहीं देखते, अब भी। और वे इसे नहीं देखेगे जब तक वह एक राष्ट्र के समान जन्म ना ले, एक बार में, जो...

113 वचन असफल नही हो सकता। याद रहे वचन असफल नहीं हो सकता। चिंता नहीं आपको कितनी संवेदना होती है, और सब क्या घटता है, फिर भी वचन असफल नहीं हो सकता। यह ठीक वैसे ही होगा जैसा परमेश्वर ने कहा था। समझे? अब, हम अनुभव करते है इन बातो को होना चाहिये।

114 और यही कारण है, उन्होने यीशु को नहीं पहचाना जब कि उसने अपने आपको सिद्धता से प्रमाणित किया कि वह एक भविष्यद्वक्ता है।

115 यहाँ तक कि वह बेचारी सामरी स्त्री वहाँ कुये पर खडी है, वह कभी भी सामरिया में नही था; वह बस गया, बोला उसे उस मार्ग से जाना आवश्य है। और वह वहाँ गया। और वहाँ एक साधारण स्त्री थी। और उसकी, और वह उस स्थिति में, वह अच्छी स्थिति में थी कि सुसमाचार को ग्रहण कर ले बजाये उन धार्मिक याजको के और उन दिनो की बाते, उसने यह किया निश्चय ही। अब, देखिये?

116 परन्तु उनके इस अस्वीकार के सामने, फिर भी उनमें से एक सम्मानित पुरुष ने स्वीकार किया कि वे जानते थे कि वह एक गुरु था, परमेश्वर कि ओर से आया ।

117 मैं एक बहुत अच्छे डॉक्टर के साथ बाते कर रहा था वहाँ दक्षिणी प्रान्त में उसके दफतर में, अधिक समय नहीं हुआ, एक बहुत बढिया विशेषज्ञ लुई विल में एक वास्तविक बहादुर पुरुष और मैने उस से कहा, मैने कहा, "डॉक्टर मैं आप से एक प्रश्न करना चाहता हूं।"

उसने कहा, "ठीक है।"

118 मैने कहा, "मैने आपके चिकित्सा चिन्ह पर ध्यान दिया, वह खम्बा। और उस खम्बे पर सांप लिपटा हुआ है, यह किस बात को दर्शाता है? "

उसने कहा, "मैं नहीं जानता।"

119 और मैने कहा, "ये इसे दर्शाता है: यह दिव्य चंगाई का चिन्ह था, जहाँ मूसा ने पीतल सांप को जंगल में ऊंचे पर उठाया, जो कि केवल एक चिन्ह था, सच्चे मसीह का एक मात्र चिन्ह।"

120 अब, आज, दवाई दिव्य चंगाई का चिन्ह है। और यद्यपी उन में बहुत से इसका विश्वास नहीं करते है, एक अच्छे वास्तविक डॉक्टर इसका विश्वास करते है, परन्तु उनमें से कुछ इसका विश्वास नहीं करते। परन्तु यही चिन्ह जो उनके पास है, सामर्थी परमेश्वर की सामर्थ को प्रमाणित करता है,

भले वे इसका विश्वास करना चाहे या नहीं। समझे? यह ठीक बात है। वहाँ पीतल का सांप खम्बे पर लटका हुआ है, उस चिकित्सा चिन्ह पर।

121 अब ध्यान दे, ये यहूदी अब अन्धेपन के छिलके इन लोगो की आंखो पर है। वे कुछ नहीं कर सकते; यह वहाँ है और परमेश्वर ने वहाँ रखा है और ये वहाँ उस समय तक के लिये जब तक उन से प्रतिज्ञा है, यह आने वाले भविष्यद्वक्ता। आप मिशनरियो को भेज सकते है, आप जो चाहे कर सकते है इस्राएल कभी भी नहीं बदलेगा जब तक वे भविष्यद्वक्ता दृश्य पर नहीं आते और यह अन्यजाति की कलीसिया के उठा लिये जाने के पश्चात होगा।

122 बैल का युग अब और सिंह की पुकार को स्वीकार नहीं कर सकता, क्योंकि परमेश्वर ने अपने वचन में कहा है कि बैल का आत्मा बाहर आया। और सुधारको के युग में, एक मनुष्य बाहर आया। समझे? आप बस...

123 केवल यही चीज है कि आप... वे ग्रहण कर सकते है। यही... और वहाँ अब वे अंधे किये गये है, वहाँ कुल मिलाकर यहीं है। अब ध्यान दे।

124 परन्तु युग आ रहा है जब अन्यजातियाँ इसके साथ समाप्त हो जायेगी। वहाँ एक वृक्ष है और जडे यहूदी थे और यह काटा गया और अन्य जाति उसमें सांटे गये "वह जंगली जैतून वृक्ष"; और वह अपने फल दे रहा है। अब, जब अन्यजाति दुल्हन काटी गयी, वह दुल्हन वृक्ष, जिस विषय में मैने बाते की और यह परमेश्वर कि उपस्थिति में उठा ली गयी; परमेश्वर अविश्वासी अन्यजातियाँ को मिटा डालेगा, यहाँ इस ओर (सोती हुयी कुवांरी) और फिर साटता है। उसने यह करने की प्रतिज्ञा दी है।

125 और उस समय तक आपको मालूम होना है कहाँ... यदि आप जानते है कि आप कहाँ जा रहे है, अच्छा, ठीक। यदि आप नहीं जानते, क्यों, आप अन्धकार में ठोकर खा रहे है।

126 अब, यह जब यहूदीयो का मत परिवर्तन हो जायेगा, उस युग के चलते। अब जैसे कलीसिया युग, अभिषिक्त प्रतिज्ञा के सामर्थ के नीचे है, वे मसीह को स्वीकार करेगे; परन्तु अब नहीं जबकी अन्यजाति अन्दर है। अब हम देख सकते है कि ये दो भविष्यद्वक्ता प्रकाशितवाक्य ग्यारह अध्याय के किस प्रकार का सन्देश प्रचार करेगे। अब आप स्पष्ट रुप से ठीक देख सकते है, कि वे क्या करने जा रहे है। उन बचे हुओ के लिये या पहले से ठहराये हुये एक लाख चवालीस हजार के लिये, परमेश्वर की मोहर को लेते है।

127 चलिये थोडा सा पढे। अब ध्यान पूर्वक सुने। अब मैं चाहता हूं कि आप मेरे साथ पढे, यदि आप सकते है, क्योंकि मैं इसका पीछे से उल्लेख करने जा रहा हूं, थोडा सा। सातवां अध्याय अब यह छठवी और सातवी मोहर के बीच में है।

... इन बातों के बाद—इन बातो के बाद (ये मोहरे)...

128 छठवी मोहर खुल गयी थी और यह पीडाओ का काल था। अब इसे हर कोई समझता है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] छठवी मोहर खुल गयी थी और पीढाये चल रही थी। इसके बाद क्या?

... मैंने पृथ्वी के चारो कोनो पर चार स्वर्गदूत खडे देखे, वे पृथ्वी की चारो हवाओ को थामे हुये थे, ताकि पृथ्वी या समुद्र या किसी पेड पर हवा ना चले। (चार स्वर्गदूत!)

फिर मैने एक और स्वर्गदूत को जीवते परमेश्वर की मोहर लिये हुये पूरब से ऊपर की ओर आते देखा; उसने उन चारो स्वर्गदूतो से जिन्हे पृथ्वी और समुंद्र की हानि करने का अधिकार दिया गया था, ऊंचे शब्द से पुकार कर कहा।

जब तक हम अपने परमेश्वर के दासो के माथे पर मुहर ना लगा दे, तब तक पृथ्वी और समुद्र और पेडो को हानि ना पहुचाना...

129 दुल्हन नही। "दासो।" ना की पुत्रो। "दासो।" इस्त्राइल सदा से परमेश्वर के दास रहे है। कलीसिया पुत्र है देखिये, जन्म के द्वारा। इस्राएल उसका दास है। ध्यान दे, हर स्थान पर यह सदा से है। अब्राहम उसका दास था। हम लोग दास नहीं है। हम लोग बालक, पुत्र और पुत्रियां। जी हाँ।

... के... हमारे परमेश्वर की उनके माथे पर।

130 अब ध्यान दे

... हमारे परमेश्वर की उनके माथे पर।

जिन पर मोहर दी गयी; मैने उनकी गिनती सुनी...

131 अब मैं चाहता हूं कि अब ध्यान से सुने इसको पढते हुये।

... इस्त्राइल की सन्तानो के सब गोत्रो में से एक लाख चवालीस हजार पर मोहर दी गयी।

132 वह बिल्कुल ठीक उन नामो को लेता है, अब यदि ऐसा हो ब्रिटेन–इस्त्राइली, परखने वाला यहाँ बैठा है, सुनिये कैसे यह हवा को बाहर कर देता है, देखिये।

यहूदा के गोत्र में से बारह हजार पर मोहर दी गयी ("गोत्र" को बुलाया) *रुबेन के गोत्र में से बारह हजार पर, गाद के गोत्र में से बारह हजार पर।*

133 अपने पर ध्यान दे, अब अपने गोत्र पर ध्यान दे।

आशेर के गोत्र में से बारह हजार पर, नपताली के गोत्र में से बारह हजार पर मनेश... बारह हजार।

शमौन के गोत्र में से... बारह हजार पर मोहर दी गयी लेवी के गोत्र में से बारह हजार पर मोहर दी गयी, इस्साकार के गोत्र... बारह हजार (इस्साकार, मैं समझता हूं आप यही उच्चारण करते है) *बारह हजार।*

जबूलून के गोत्र में से... बारह हजार यूसुफ के गोत्र में से बारह हजार पर मोहर दी गयी और सारे के... बिन्यामीन के गोत्र मे से बारह हजार पर मोहर दी गयी।

134 अब, वहाँ बारह गोत्र है, एक गोत्र में से बारह हजार बारह गुणा बारह क्या है? [सभा कहती है, "एक लाख चवालीस हजार।"—सम्पा।] एक लाख चवालीस हजार। अब ध्यान दे। ये सब इस्त्राएल के गोत्रो में से है।

135 अब ध्यान दे, "इसके बाद... " अब यहाँ दूसरा झुण्ड आता है। दुल्हन जा चुकी है, हम यह जानते है। परन्तु ध्यान दे अब यह झुण्ड आता है।

इसके बाद मैने दृष्टी की, और देखो, हर एक जाति और कुल और लोग और भाषा में से एक ऐसी बडी भीड, जिसे कोई गिन नहीं सकता था, श्वेत वस्त्र पहिने और अपने हाथ में खजूर की डालियाँ लिये हुये सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खडी है।

और बडे शब्द से पुकार कर कहती है उध्दार के लिये हमारे परमेश्वर का, जो सिंहासन पर बैठा है, और मेम्ने की जय जयकार हो।

और सारे स्वर्गदूत... उस सिंहासन और प्राचीनो और चारो प्राणियो के चारो ओर खडे है; फिर वे सिंहासन के सामने मुंह के बल गिर पडे और परमेश्वर को दण्डवत किया।

कहा आमीन; हमारे परमेश्वर की स्तुति... महिमा, ज्ञान, धन्यवाद आदर... सामर्थ... शक्ति युगानयुग बनी रहे। आमीन।

इस पर प्राचीन में से एक...

136 अब वो यहाँ प्राचीन के सामने है, जैसा कि हमने उसे देखा, इन सारी मोहरो में से होते हुये।

प्राचीन में से एक ने उत्तर देकर मुझ से कहा, ये कौन है...

137 अब यूहन्ना यहूदी होने के नाते अपने लोगो को पहचानता है। उसने उन्हे गोत्रो के रुप में देखा। क्या यह ठीक बात है? उसने पहचान लिया और हर गोत्र का नाम लिया।

138 परन्तु अब, जब वह ये देखता है, वह एक प्रकार से उलझन में पड जाता है, और प्राचीन यह जानता है, इसलिये वह कहता है:

... ये श्वेत वस्त्र पहिने हुये कौन है? और कहाँ से आये है?

139 अब यूहन्ना उत्तर दे रहा है:

और मैने उस से कहा, स्वामी, तू ही जानता है।

140 यूहन्ना उन्हे नहीं जान पाया, देखिये; सारी जातिया, भाषाये और राष्ट्र।

उसने मुझ से कहा, ये वे...

... उसने मुझ से कहा, ये वे हे जो महाक्लेश से निकल कर आये है (दुसरे शब्दों में, महाक्लेश) *उन्होने अपने अपने वस्त्र मेम्ने के लहू में धो कर श्वेत किये है।*

इसी कारण वे परमेश्वर के सिंहासन के सामने है और उसके मन्दिर में दिन रात उसकी सेवा करते है और जो सिंहासन पर बैठा है उनके मध्य में रहेगा।

वे फिर भूखे और प्यासे ना होगे, और ना उन पर धूप, ना कोई तपन पडेगी।

क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है उनकी रखवाली करेगा, और उन्हे जीवन रुपी जल के सोतो के पास ले जाया करेगा: और परमेश्वर उनकी आंखो से सब आंसू पोंछ डालेगा।

141 अब हम खोलते है... मोहर को लेते है।

क्या आपने ध्यान दिया कि वे थे... अब पहले हम आरम्भ करते है, इस्त्राएल।

142 और तब हम शुद्ध की गयी कलीसिया को देखते है, ना कि दुल्हन को; क्लेशो के द्वारा शुद्ध की गयी कलीसिया, देखिये, देखिये, यहाँ बहुत बडी संख्या में वास्तविक निष्ठावान हृदय आ रहे है, जो कि बडे क्लेश से निकल कर आ रहे है। ना कि विशेष कलीसिया वह चली गयी, वह दुल्हन, वहा एक कलीसिया है।

143 अब हम यहाँ थोडी देर बाद पाते है, यीशु ने कहा सिंहासन रखा जायेगा और कैसे... वे न्याय में खडे होगे, हर एक।

144 अब हम पाते है, कि अब यह लोग जीवीत परमेश्वर की मोहर से मोहर बंद है (क्या यह ठीक बात है?) ये यहूदी। जीवित परमेश्वर की मोहर क्या है?

145 अब, मैं किसी को नहीं कह रहा हूं, किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहूंचा रहा हूं। मैं बस कह रहा हूं, देखिये। क्या आप यह जानते है कि बहुत से विद्वानों को पढने के बाद, जिन्होने यह लिखा है, ये दावा करते है कि यह झुण्ड यहाँ पर है, लहू से धुले वास्तव में दुल्हन है?

146 क्या आपको मालूम है कि बहुत से विद्वान भी दावा करते है कि एक लाख चवालीस हजार दुल्हन है? क्या यहाँ किसी चीज को सही बैठना चाहिये, गलत... इसमें सही, क्योंकि वहाँ अब कुछ गलत है।

147 ध्यान दे, हमारे एडवेन्टिस भाई कहते है कि, "परमेश्वर की मोहर सब्त के दिन का पालन करना है।" आप यह जानते है। परन्तु मैं इस वचन का एक बिन्दू चाहता हूं दिखाये कि सबत या सबत के दिन को मानना परमेश्वर की मोहर है। समझे? यह बस किसी ने यह विचार लिया है।

148 परन्तु यदि आप इफिसियो 4:30 को पढेगे, यह कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित ना करो, जिस से कि तुम छुटकारे के दिन के लिये मोहरबन्द किये गये हो," जी हाँ श्रीमान, जब बिचवाई का कार्य

हो गया और आप आ गये; मसीह अपनो को बचाने के लिये आया। आप अगली बेदारी तक के लिये मोहर बंद नही हुये। जब आप एक बार पवित्र आत्मा से मोहर बंद हो गये, यह पूरा किया गया कार्य है, कि परमेश्वर ने आपको ग्रहण कर लिया है और अब इससे अलग नही हो सकते।

149 आप कहते है, "भाई यह मेरे पास था और मैं दूर चला गया था।" नहीं, यह आपके था ही नहीं।

150 परमेश्वर ने कहा, यह छुटकारे के दिन तक जाता है। अब ओह, आप बस उसके साथ विवाद करते है और आप देखिये कि इसका क्या अर्थ है, "आपके छुटकारे के दिन तक।"

151 ध्यान दे। जैसा कि वहाँ थे... जैसे कि वे चुन लिये जाने के अनुसार बचे हुये थे, ये यहूदी चुनाव के अनुसार बचे हुये है, एलिय्याह की पहली सेवकाई के दिनो में, यहूदियो के लिये, जहाँ सात हजार विश्वासी परमेश्वर के हाथ के द्वारा अलग रखे हुये थे, अब ये इस बचे हुये के समय में हैं अपने समय पर आ रहे है, कि चुनाव के अनुसार एक लाख चवालीस हजार हो कि वह सन्देश उस समय में, कि सन्देश का विश्वास करे और एक लाख चवालीस हजार हो जाये।

152 अब आप कहते है, "ओह, अब भाई जरा एक मिनट, मैं इस चुनाव के विषय में नहीं जानता, भाई, मैने इसे वहाँ कभी नहीं पढा।"

153 ठीक है, अब आईये इसे देखे, यदि यह ठीक है या नहीं। आईये मत्ती को निकाले और यहाँ आते है और ढूढते है यदि हम यहाँ छोटा सा इस पर कहीं कुछ ढूढ सके। अब मैं विश्वास करता हूं, कि मैं ठीक हूं। मैने इसे यहाँ लिखा नहीं है, परन्तु बस मेरे विचार में आया। आईये 30 वे पद के अन्त में देखे, जहाँ हम पिछली रात्रि गये थे, छठवी मोहर का अन्तिम, 30 वे पद पर, अब आईये इसे पढे और अब देखे जहाँ हम 31 वे पद पर आते है। समझे? "वे मनुष्य के पुत्र को महिमा में आते देखेगे।" अब 31 वा पद।

> *वह तुरही के बडे शब्द के साथ अपने दूतो को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारो दिशाओ से उसके चुने हुआ को इकट्ठा करेगे।*

154 "चुने हुये" बाहर आयेगे। यह क्या है? और क्लेश का काल। परमेश्वर अपने चुने हुआ को बुलायेगा और यह उस समय के यहूदी है, चुने हुये,

इसके लिये बाइबल बोलती है पौलूस इसके लिये बोलता है, "चुन लिये जाने के अनुसार।" वह चुन लिये जाने के अनुसार एक लाख चवालीस हजार है, जो सन्देश का विश्वास करेगे अक्षरश: लाखो में से, ये वहाँ है।

155 फिलिस्तीन में वहाँ लाखो थे, एलिय्याह की भविष्यवाणी के दिनो, और लाखो में से सात हजार बचाये गये।

156 अब "चुन लिये जाने के अनुसार।" जहाँ लाखो यहूदी अपने देश में जमा हो रहे है। यह एक राष्ट्र हो गया है। वहाँ पर लाखो होगे, परन्तु केवल एक लाख चवालीस हजार "चुने हुये है" एक बार और लिये जायेगे। वे सन्देश को सुनेगे।

157 यही चीज यह अन्यजाति की कलीसिया में है। वहाँ एक दुल्हन है और वह चुनी हुयी है, "और चुने जाने के अनुसार बुलाया जायेगा।" ध्यान दे, यह सब कलीसिया के प्रतीक है, सिद्ध चुने हुये विश्वासी।

158 दूसरे विश्वास नहीं करते। आप बस यह बता सकते है। आप एक मनुष्य को सत्य बताये और इसे वचन के द्वारा प्रमाणित होने दे और फिर समर्थन प्रात; वह कहता है, "मैं इसका विश्वास नहीं करता।" आप बस...

159 इसके साथ और मूर्ख ना बने। यीशु ने कहा, ना हो। कहा, "यह ऐसा है, जैसे सूअर के सामने मोतीयो को डालना।" देखा? कहा, "उन्हे बस छोड दो, वे पलटेगे और आपको अपने पैरो तले कुचलेगे, वे आपका उपहास उडायेगे, बस निकल जाये और उन्हे छोड दे, 'यदि अंधा अंधे की अगुवाई करे... '"

160 अधिक समय नहीं हुआ मैं एक पुरुष के पास गया; बल्की। वह मेरे पास आया, वह चारो ओर हर तरफ दिव्य चंगाई के विरोध में विवाद करता फिर रहा था। वह आया और उसने कहा, "मैं तुम्हारी दिव्य चंगाई का विश्वास नहीं करता।"

161 मैने कहा, "मेरी, मैं समझता हूं कोई भलाई नहीं हुयी होगी, क्योंकि मेरे पास कुछ नहीं।" और वह... मैने कहा, "परन्तु परमेश्वर सिद्ध है।"

उसने कहा, "ऐसी कोई चीज नहीं है।"

162 मैने कहा, "आप ने यह कहने के लिये देर कर दी, मित्र। जी हाँ, आपने कर दी—इसके लिये आपने बहुत देर कर दी। आप कुछ वर्षो, पहले तर्क–वितर्क कर सकते थे, परन्तु अब यह दूसरा युग है। देखिये, यहाँ गवाही देने

के लिये लाखो है।" मैने कहा, "आप—आप ने अब देर कर दी साथी यह कहने को।"

163 उसने कहा, उसने कहा, "भाई, मैं इसका विश्वास नहीं करता; मैं चिन्ता नहीं करता आप क्या करते है।"

मैने कहा, "निश्चय ही नहीं। आप नहीं सकते।" समझे?

164 उसने कहा, "मुझे अन्धा कर दो!" कहा, "यदि तुम्हारे पास वास्तव में पवित्र आत्मा है, जैसे पौलूस के पास," कहा, "मुझे अन्धा कर दो।"

165 मैने कहा, "मैं यह कैसे कर सकता हूं, जब कि आप पहले ही अन्धे है?" मैने कहा, "आपके पिता ने आपको सत्य के लिये अन्धा कर दिया।" मैने कहा, "आप पहले ही अन्धे है।"

166 और उसने कहा, "मैं विश्वास नहीं करूंगा; मैं चिन्ता नहीं करता कि आप क्या कर सकते है, आप कितने ही प्रमाण सिद्ध कर सकते है या कुछ भी ऐसा, मैं फिर भी इसका विश्वास नहीं करता।"

167 मैने कहा, "निश्चय ही। यह अविश्वासियो के लिये नहीं था, यह केवल विश्वासियों के लिये है। यही बात है।" समझे?

168 यह क्या था? देखिये आप जानते है तभी चुनाव से रह गये, बस इसके साथ बिल्कुल मूर्ख ना बने। यीशु ने यही किया, उसने कहा, "उन्हे छोड दो, यदि अंधा अंधे की अगुवाई करे, क्या वे सारे गड्ढे में ना गिरेगे?"

169 परन्तु जब वह उस छोटी वैश्या के पास आता है। [भाई ब्रन्हम अपनी चुटकी बजाते है—सम्पा।] आग लग जाती है! यह क्या था? चुना हुआ बीज वहाँ रखा था, देखिये, जिसने इसे अभी देखा। जब यह पतरस के पास आया, तो वहाँ एक चुना हुआ बीज वहाँ रखा था, देखिये और उन्होने इसे देखा। "और सब जो पिता ने दिया है" (भूतकाल) "मुझे दिया है, वे आयेगे। वे मेरे पास आयेगे।" ओह, प्रभु! मुझे यह अच्छा लगता है! जी हाँ, श्रीमान। ध्यान दे, विश्वासी इसका विश्वास करता है।

170 अविश्वासी इसका विश्वास नहीं कर सकता। इसलिये अब, यदि कोई सर्प वंश के विषय में विवाद करना चाहता है और चीजे और आप उन्हे दिखाने का यत्न करते है, वे इसे नहीं सुनेगे; बस हट जाये। बस उन्हे छोड दे। देखिये, परमेश्वर तर्क–वितर्क नहीं करता, ना ही उसके बालक।

171 ध्यान दे, परमेश्वर के एक लाख चवालीस हजार चुने हुये यहूदी इस पशु के सामने नहीं झुकेगे, उसके नामधारी वाद के या मूरत के सामने या कोई भी चीज यद्यपि उनका राष्ट्र उनके साथ उस समय वाचा में है। इस्त्राएल एक वाचा में है, परन्तु यहाँ एक लाख चवालीस हजार है, जो नहीं करने जा रहे है। ये चुने हुये है।

172 वही चीज ठीक यहाँ अब अन्यजाति की कलीसिया में है, एक चुना हुआ झुण्ड है। आप उन्हे इस प्रकार की चीजो में नहीं घसीट सकते। वे इसका विश्वास नहीं करेगे। नहीं, श्रीमान। जब उन पर एक बार ज्योति चमक गयी, तो यह वहीं तय हो गया। वे देखते है... इसे घटित होते हुये देखते है और इसे इस प्रकार प्रमाणित और सिद्ध होते हुये देखते है और वे यहाँ बाइबल में देखते है, देखते है कि वचन जा रहा है, भाई, आप बस—आप बस जितना हो सकता है उनके साथ मूर्ख बनने से अलग हो जाये, क्योंकि वे ये विश्वास करते है। बस कुल मिला कर यही है। यही है। यद्यपि वे इसकी व्याख्या नहीं कर सकते, परन्तु वे जानते है कि यह उनके पास है। इसलिये जैसा मैं कहता हूं, वहाँ बहुत सी बाते है, मैं व्याख्या नहीं कर सकता, परन्तु मैं—मैं जानता हूं ये जो भी है वास्तविक। ओह! ठीक है।

173 यह समय छठवी और सातवी मोहर के बीच का था कि वह इन लोगो को बुलाता है, यीशु मसीह के द्वारा मत्ती 24 अध्याय 31 वे पद में बोला गया जिसे हमने अभी पढा, देखिये। यहाँ तुरहियाँ, दो गवाह... जब तुरही बजी, वह यहूदियो पर अनुग्रह के लिये दो गवाहो कि तुरही। एक तुरही बजी आप ध्यान दे, एक तुरही बजी, उसने कहा, "और तुरही की आवाज।" अब ध्यान दे, यहाँ 31 वे पर।

> *और वह तुरही के बडे शब्द के साथ* (एक को नहीं, देखिये! वहाँ वे दो है) *अपने दूतो को भेजेगा...*

174 यह क्या है? जब परमेश्वर बोलने के लिये तैयार हुआ, तो वह तुरही का शब्द। यह सदा उसकी आवाज है, यह युध्द कहलाया, देखिये। परमेश्वर बोला। यह दूत तुरही के शब्द के साथ आयेगे।

175 और क्या आपने ध्यान दिया, अन्तिम दूत का सन्देश तुरही का शब्द। पहले दूत का सन्देश, एक तुरही बजी; दूसरे दूत का, एक तुरही बजी, जब उसने इसे भेजा। ध्यान दे, परन्तु जब मोहरो कि घोषणा हुयी, वे सारे एक

महान दिव्य चीज में थे कि लोगो के एक झुण्ड को बुलाये; वहाँ एक तुरही का शब्द हुआ और सात मोहरे टूटी थी।

176 ध्यान दे, "अपने चुने हुये यहूदियो को आकाश के चारो छोर से जमा किया।"

177 उसने जैसा हमने देखा छ: मोहरो का उल्लेख किया, परन्तु सातवी मोहर का नहीं। उसने यहाँ सातवी मोहर के विषय में कभी कुछ नहीं कहा, कही नहीं।

178 सीधे 32 वे पद को देखे, चुने हुये यहूदियो के बुलाहट के समय के दृष्टान्तो को निकाले। अब यहाँ ध्यान दे, देखिये।

179 "और वह दूतो को तुरही के साथ भेजेगा और चुने हुओ को आकाश के चारो कोनो से एकत्र करेगा।" अब वह आरम्भ करता है...

180 देखिये, वह यहाँ सातवी मोहर के विषय में कुछ नहीं कहता। समझे? वह छठवी मोहर के लिये बोला; पहली, दूसरी, तीसरी चौथी, पांचवी और छठवी।

181 परन्तु ध्यान दे!

अंजीर के पेड से यह दृष्टान्त सीखो; जब उसकी डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो कि ग्रीष्म काल निकट है:

इसी रीति से, जब तुम इन सब को देखो, तो जान लो, कि वह निकट है, वरन् द्वार ही पर है।

182 वह अन्तिम, वह प्रश्न जो उन्होने उस से पूछा, "और संसार के अन्त का क्या चिन्ह होगा? "

183 "जब तुम इन यहूदियो को देखते हो, जब तुम यह दूसरी बाते घटित होते देखते हो। अब जब तुम इन यहूदियो को देखते हो... " यहूदियो से बात करते हुये! अब ध्यान दे। किस झुण्ड से वह बाते कर रहा है, अन्यजाति? यहूदियो से! यहूदियो से! समझे?

184 अब उसने कहा, "मेरे नाम के कारण सारे राष्ट्रो के लोग तुम से घृणा करेगे," और इस प्रकार से।

185 अब, "जब" उसने कहा, "आप देखिये ये यहूदी वहाँ अपनी कोपले निकाल रहे है," जब वह इस्त्राएल वापस आने लगा अपने देश में आने

लगा, जब वे वहाँ पहूँचे (कलीसिया उठाये जाने के लिये तैयार है) अब केवल साढे तीन वर्ष बचे है जब तक की पुराने संसार का अन्त हो और वह गडबडी में चला जाता है और सहस्त्रशताब्दी अन्दर आती है, इस नई—नई पृथ्वी पर। कहा, "द्वार ही पर है!" अब पृथ्वी पर एक हजार वर्ष, परमेश्वर के साथ एक दिन है और साढे तीन वर्ष, तो यह कितने पर जायेगा? परमेश्वर के समय में इतने सेकंड, यही कारण है। उसने कहा, "यह द्वार पर है।"

मैं तुम से सच कहता हूं कि इस पीढी का अन्त नहीं होगा, इन लोगो के साथ समाप्त हो जाना, *जब तक यह सारी बाते...*

186 क्या, इसके साथ क्या नष्ट ना होगा? उन्हो ने यहूदी को सारे समय इस पृथ्वी पर से मार कर ख़त्म करने का यत्न किया। वे इसे कभी भी करने योग्य ना होगे।

187 परन्तु ध्यान दे। वह पीढी जिसने यहूदियो को वापस फिलिस्तीन में आते देखा है, वह पीढी इन चीजो को घटित होते देखेगी। और जरा से अन्तिम दो वर्षो में वह पूरी रीति से एक राष्ट्र हो गये, अपनी मुद्रा और जो भी। वह वहाँ पर है।

188 अब मित्रो हम लोग कहाँ है? मोहरे और हर चीजे खुल रही है; अब हम इसे इस बीच में ले रहे है। ये यहाँ है। देखिये, हम कहाँ बैठे है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

189 मैं आशा करता हूं आप समझ गये। मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है। मैं जानता हूं, मैं किस विषय में बात कर रहा हूं, परन्तु हो सकता है, मैं व्याख्या ना कर पाऊ—इसकी व्याख्या कि आपके लिये अर्थ हो। परन्तु, मैं आशा करता हूं कि परमेश्वर शब्दों को लेकर जो मिले जुले है और उन्हे सही–सही बाट देता है, देखिये और आप जान ले कि यह क्या है। क्योंकि, यह हम द्वार पर है, हम यहाँ समय पर है। अब ध्यान दे।

190 देखिये सीधे–सीधे अब, वह इन यहूदियो की ओर फिरता है, और अन्तिम समय में, वह कहता है कि क्या घटित होने जा रहा है, हम अब यह भी जानते है... हम जानते है, हमे अच्छी तरह जानते है, कि 2500 वर्षो से गोत्र बिखरे हुये है। उनके लिये भविष्यवाणी हुयी थी कि चारो दिशाओ में बिखरेगे। क्या आपको यह मालूम है? हम यह जानते है।

191 निसन्देह, हमें वापस नहीं जाना है और इसे ले, क्योंकि मेरे पास वास्तव में कुछ विशेष है, मैं चाहता हूं कि आप देखे, इसके पहले आप भी थक जाये और मैं निढाल हो जाऊ।

192 ध्यान दे। हम जानते है, यहाँ तक की हर गोत्र, जो कि गोत्र का क्रम है या आप इसे जो भी कहना चाहे या भोगोलिक या गोत्र स्थितियाँ अब एक साथ नही है। वे हर जगह बिखरे हुये है।

193 यहूदी लोग यरुशलेम में जमा हो रहे है क्या नहीं... वे अपना गोत्र तक नहीं जानते। उनके पास अब गोत्र का झण्डा नहीं है या कुछ, इसे छोड की वे यहूदी है। वे कुछ नहीं जानते, इस प्रकार संसार में होने के लिये उनके लिये भविष्यवाणी थी। अब उनकी पुस्तके नष्ट हो गयी है। वे नहीं जानते

आप कहते है, "आप कौन से गोत्र है? "

"मुझे नही मालूम।"

"कौन सा गोत्र।"

"मैं नहीं जानता।"

194 एक बिन्याबीन से, एक *इस* से और एक *उस* से। वे नहीं जानते कि वे कहाँ से है, यध्दो में होते हुये। उनकी पुस्तके नष्ट हो गयी और 2500 वर्षो से वे केवल यह जानते है कि वे यहूदी है, बस, इसलिये वे जानते है कि वे अपने देश में वापस आ गये। वे अब भी... ध्यान दे, यद्यपि वे नहीं जानते कि उनका गोत्र क्या है, परन्तु परमेश्वर जानता है।

195 बस मुझे यह अच्छा लगता है! उसने जैसा कि कहा वहाँ... "तुम्हारे सिर के सारे बाल गिने हुये है।" व्हूम! ध्यान दे, वह कुछ नहीं खोता। "मैं इसे अन्तिम दिन फिर से उठा खडा करुगा।"

196 यद्यपि वे अपने गोत्रो के झण्डे खो चुके है और *कौन* सा कौन है और चाहे वे *ये* या *वह*; वे नहीं जानते कि वे बिन्याबीन से है या वे रुबेन से है या—या इस्साकार से या वे कहाँ से है। परन्तु जो भी है, परमेश्वर उन्हे यहाँ बुलाता है।

197 अब प्रकाशितवाक्य सात में ध्यान दे, हम यह पढते है हर गोत्र से "बारह हजार" सब में से चुने हुये, हर गोत्र से वहाँ बारह हजार चुने हुये है, यह चुने हुये और यही ठीक क्रम में रखे है। ओह प्रभु! वे कौन है? वे गोत्र क्रम में है। ये अभी अब नहीं है, परन्तु वे होगे, वे गोत्र क्रम में है। गोत्र क्रम

में क्या होगा? ना कि सामान्य यहूदी, नही परन्तु वह जो चुना हुआ है, एक लाख चवालीस हजार गोत्र क्रम में रखे जायेगे। ओह प्रभु!

198 मैं आपको कैसे दर्शाऊगा! हम इसमे नहीं जायेगे। परन्तु ठीक वैसे जो कलीसिया को होना है, ओह, सही क्रम में।

199 अब मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दे और मेरे साथ पढे कुछ मिनटो के लिये। अब यहाँ पर कुछ है हो सकता हो आपने कभी ध्यान ना दिया हो, इन गोत्रो कि बुलाहट में, मैने आपको थोडी देर पहले बताया कि प्रकाशितवाक्य सात। मेरे साथ पढे और उन गोत्रो पर ध्यान दे। प्रकाशितवाक्य सात में, दान और एप्रेम नहीं है, उनके साथ नहीं गिने गये। क्या आपने इस पर ध्यान दिया? यूसुफ और लेवी को इनके स्थान में रखा है। क्या आपने यह ध्यान दिया? दान और एप्रेम वहाँ नहीं है। नहीं श्रीमान। परन्तु यूसुफ और लेवी, दान और एप्रेम के स्थान में रखे गये।

200 क्यो? वे सदा स्मरण रखने वाला परमेश्वर अपने वचन की हर प्रतिज्ञा को स्मरण रखता है। ओह, मैं इस पर प्रचार करना चाहता हूं। समझे? परमेश्वर कुछ नहीं भूलता यद्यपि ऐसा लगता है।

201 जैसे उसने मूसा को बताया, इस्त्राएल वहाँ, "चार सौ वर्षो" से था। उन्हे उस समय जाना ही था। उसने अब्राहम को बताया, "और उसका वंश एक अनजाने देश में चार सौ वर्षो के लिये परदेसी बन कर रहेगा, तब वह उन्हे अपनी सामर्थी भुजा से बाहर ले आयेगा।" परन्तु तब उसने मूसा से कहा, "मैने अपनी प्रतिज्ञा को याद किया है, और मैं उस भलाई के लिये जो मैने कही थी करने के लिये नीचे उतर आया हूं।"

202 परमेश्वर भूलता नहीं है, वह अपने श्राप नहीं भूलता, ना ही वह अपनी आशीषे भूलता है। परन्तु हर प्रतिज्ञा, जो उसने की वह उसके संग बना रहता है।

203 यहाँ इसी कारण से वे खोये हुये थे, अब, यदि आप ध्यान दे। अब पढे, मैं चाहता कि आप अब मेरे साथ पढे, व्यवस्थाविवरण उन्नति... उन्नतिसवा पद वहाँ या उन्नतिसवा अध्याय बल्की एक कारण है कि यह गोत्र वहाँ पर नहीं है। हर चीज का एक कारण होता है। व्यवस्थाविवरण, हम व्यवस्थाविवरण का 29 वां अध्याय लेना चाहते है। अब परमेश्वर हमारी उसी प्रकार सहायता करे, ताकि अब हम इसे समझ सके। अब हम

व्यवस्थाविवरण 29 को आरम्भ करना चाहते है, 16 वे पद से। अब सुनिये। मूसा बोल रहा है

(तुम जानते हो कि जब हम मिस्त्र देश में रहा करते थे; और जब मार्ग में कि जातियों के बीचो बीच आ रहे थे;

तब तुमने उनकी कैसी कैसी घिनौनी वस्तुएं, और काठ, पत्थर, चांदी सोने की कैसी मूरते देखी)

204 हर कोई थोडा कुछ चिल्लाया या कुछ, एक छोटी मूरत संत सिसलिया की। आप जानते है, कुछ इस प्रकार से देखिये। "कहीं इसलिये... " सुनिये।

इसलिये ऐसा ना हो, कि तुम लोगो में से एसा कोई पुरुष या स्त्री या कुल, या गोत्र के लोग हो जिनका मन आज हमारे परमेश्वर यहोवा से फिर जाये और वे जाकर उन जातियो के देवताओ की उपासना करे; फिर ऐसा ना हो कि तुम्हारे मध्य ऐसी कोई जड हो, जिस से विष या कडवा बीज उगा हो;

और ऐसा मनुष्य, इस शाप के वचन को सुनकर अपने को आशीर्वाद के योग्य माने, और यह सोचे कि चाहे मैं अपने मन के हट पर चलू और तृप्त होकर प्यास को मिटा डालू तौभी मेरा कुशल होगा...

205 देखिये, लोग कहते है, "ओह, वह अपने आप को धन्य कहता है।" आप जानते है, एक छोटी सी सलीब बना ली या कुछ जो वे अब करते है, आप देखिये; वही चीज, और आप यह देखिये यह मूर्तीपूजको की विशेषता है, देखिये; वह—वह मूर्तीपूजक।

... वह अपने आप को अपने ह्रदय में धन्य कहे... उसकी अपनी कल्पना में अपने ही मन में मद्यपान से प्यास बुझा लू;

206 "थोडी सी पी लू, इससे कोई अन्तर नहीं पडता, जब तक आप कलीसिया में जाते है, आप ठीक है।"

यहोवा उसका पाप क्षमा नही करेगा, वरन् यहोवा के कोप और जलन का धुआं उसको छा लेगा, और जितने शाप इस पुस्तक में लिखे है ("इसमे से एक भी वचन ना निकाले, या इसमे एक मिलाये," देखिये) *उन पर आ पडेगी... और प्रभु उसका नाम आकाश के नीचे से मिटा डालेगा।*

207 यही जब की वह यहाँ पृथ्वी पर था, देखिये, "आकाश के नीचे।"

और व्यवस्था की इस पुस्तक में जिस वाचा कि चर्चा है, उसके सब शापो के अनुसार यहोवा उसको इस्त्राएल के सब गोत्रो में से हानि के लिये अलग करेगा:

208 इसलिये, "यदि कोई मनुष्य मूर्ति की सेवा करेगा या अपने ऊपर मूरत को रखे या अपने आप को मन कि कल्पना में धन्य समझे और मूरतो की सेवा करे," परमेश्वर ने कहा, "पुरुष, स्त्री, परिवार या एक गोत्र उसका नाम पूरी रीति से लोगो के बीच में से काटा जायेगा।" अब क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] कितना सच!

209 कलीसिया में वर्षो पहले, मूर्तीपूजा ने यही चीजे की और आज करती है। और मैने ध्यान दिया... देखे कैसे मसीह विरोधी ने यत्न किया विपरीत अभियान चलाये। कितने यह जानते है कि शैतान प्रतीक और नमूनो में परमेश्वर के संतो के पीछे है?

210 क्या है—पाप क्या है? क्या सही चीज को दूषित किया जाना झूठ क्या है? सत्य का गलत चित्रण करना। व्यभिचार क्या है? सही व्यवहार, वैध व्यवहार, गलत किया। समझे?

211 अब इसे करने के यत्न में, "एक नाम मिटा दिया गया," क्या आपने ध्यान दिया कलीसियायी युग में, वही पशु जिसने मृत लोगो के चित्रो की सेवा की और आदि–आदि, प्रभु यीशु मसीह के नाम को मिटाने का यत्न किया, और उप नाम दे दिये जैसे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। वही चीज इसके पीछे इसी श्राप के साथ, जैसे यह।

212 दान और एप्रेम ने बस यही किया, इस्त्राएल में एक ढोगी राजा की आधीनता में, एक धोखेबाज, यरोबाम। अब ध्यान दे, पहले राजा के 12 वे अध्याय में, मैं जानता हूं हम... यह, मेरे लिये यह एक भूमिका बनाता है जिस पर हम निर्भर कर सकते है, हम क्या देखते है। पहला राजा मैं 12 वे अध्याय में जाना चाहता हूं, 25वे से 30 वा पद।

तब यरोबाम... एप्रेम के पहाडी देश के शकेम नगर को दृढ कर के रहने लगा; फिर वहाँ से निकलकर... पनूएल को भी दृढ किया।

और, अब, यरोबाम ने... अपने मन में कहा (देखिये, उसके ह्रदय की कल्पना), *अब राज्य दाऊद के घराने का हो जायेगा:*

213 आप देखिये, वह डर रहा था, क्योंकि लोग जा सकते है।

यदि प्रजा के लोग... यरुशलेम में बली करने को जाये, तो उनका मन उनके स्वामी यहूदा के राजा रहूबियाम की ओर फिरेगा, और वे मुझे घात कर के... यहूदा के राजा रहूबियाम के हो जायेगे।

अत: राजा ने सम्मति लेकर सोने के दो बछडे बनाये और लोगो से कहा, यरुशलेम को जाना तुम्हारी शक्ति से बाहर है, इसलिये, हें इस्त्राएलियो... अपने देवताओ को देखो, जो तुम्हे मिस्त्र देश से निकाल ले आये हैं।

उसने एक को बेतेल और दूसरे को दान में स्थापित किया।

और यह बात पाप का कारण हुयी: क्योंकि लोग, उसमें से एक के सामने दण्डवत् करने को दान तक जाने लगे।

214 देखिये, एप्रेम बेतेल में और दान और उन्होने मूर्तियाँ स्थापित की। और ये उसकी आराधना करने को वहाँ गये।

215 और यहाँ हम लोग है, वहाँ नीचे सहस्त्रशताब्दी युग, लगभग और परमेश्वर को अब भी वह पाप याद है। उन्हे वहाँ पर गिना भी नही गया हे! महिमा हो! [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते है—सम्पा।] जितनी निश्चिता के साथ वह हर अच्छी प्रतिज्ञा को याद रखता है, वह हर बुरी को भी याद रखता है। याद रखता है, जब...

216 मित्रो यही कारण है कि मैं विश्वास करता हूं, मैने सदा वचन के साथ बने रहने का यत्न किया है, कोई मतलब नहीं कितना भी विचित्र लगे।

217 देखिये, अब, उन्होने इस विषय में नहीं सोचा होगा, तब, उन्होने तब इस विषय में नहीं सोचा। उन्होने सोचा, "भाई ये चल जायेगा।" ठीक है।

218 परन्तु वे यहाँ इस सहस्त्रशताब्दी के युग में है, स्थापित हो रहे है, जब कि उनके नाम और गोत्र यहाँ से "मिटा दिये गये" क्योंकि उन्होने मूर्ती पूजा की, जिसे परमेश्वर ने श्रापित किया।

219 क्या उसने नहीं कहा उसने निकोलाईयो से "घृणा की" और वह इजाबेल? उससे अलग रहो। क्या उसने नहीं कहा वह इजाबेल की पुत्रियो को "मृत्यु" से मार डालेगा, जो कि उसकी उपस्थिति से अनन्त अलगाव है? इसमें बिल्कुल भी विश्वास ना करे, इस से अलग रहे। इसलिये परमेश्वर स्मरण रखता है। ध्यान दे।

220 परन्तु क्या आपने वहाँ ध्यान दिया इसे "मिटा" दिया जाना था? क्यों? आकाश के नीचे वहाँ कोई सीधा बलिदान नहीं था, जो कि उसे पवित्र आत्मा दे सकता था, कि उसे इन बातो को दिखाता। परन्तु जो भी है, उसने यह किया अपने ही स्वार्थी मन में।

221 परन्तु यहेजकेल अपने दर्शन में, सहस्त्रशताब्दी में, वह उन्हे फिर से सिद्ध क्रम में देखता है, यहेजकेल, यदि आप यह पढना चाहते है इसे लिख ले और आप इसे पढ सकते है, समय है, समय बचाने के लिये। यहेजकेल 48:1 से सात, 23 से 29 तक भी पढे। येहजकेल ने हर गोत्र को अपने सही क्रम में देखा। ठीक है।

222 और प्रकाशितवाक्य 14 में भी, यूहन्ना ने उन्हे फिर से गोत्र क्रम में देखा यह ठीक बात है, हर गोत्र उसके स्थान पर। क्या हुआ?

223 आप स्मरण रखे, उसने कहा, "आकाश के नीचे, कि उसका नाम गोत्रो में से हटाया जायेगा।" जब तक कि वह आकाश के नीचे है वहाँ नहीं होगा और यह एक लाख चवालीस हजार वहाँ गोत्रो के भाग में है, अभी ठीक है। परन्तु, आप देखिये वे अन्धे किये गये उनके पास केवल बैलो और बकरियो के बलिदान थे। समझे? अब ध्यान दे, उसने उन्हे, "आकाश के नीचे" से मिटा दिया।

224 परन्तु अन्यजाति पवित्र आत्मा के दिनो में, इसके विपरित; आपके नाम पूरी रीति से जीवन कि पुस्तक से हटा दिये गये थे, "और कभी भी क्षमा नहीं किये जा सके इस संसार में या आने वाले संसार में।" यह ठीक बात है? इसलिये यहाँ जहाँ हम खडे है।

225 इस्त्राएल बकरीयो, भेडो की अधीनता में उनके पास एक स्थान है। जब तक कि वे इस पृथ्वी पर है उनके गोत्र छोड दिये गये थे, वे कभी भी मिलाये नहीं जा सके। अब सारे... जब उसने उन्हे बुलाया, वहाँ एक लाख चवालीस हजार वे नहीं थे। यह ठीक बात है। यहाँ तक कि वे उनमें गिने भी नही गये। और यूसुफ और लेवी, दान और एप्रेम के स्थान पर रखे गये। अब आप इसे देख सकते है। यह ठीक वहाँ पर है आपके सामने, देखिये। और यहाँ परमेश्वर कि प्रतिज्ञा है, यहाँ पीछे, सैकडो और सैकडो वर्षो इसके पहले [भाई ब्रन्हम पुलपिट पर खटखटाते है, कई बार।—सम्पा।]

226 अब, क्या हुआ? वे भयानक कष्टो के समय में शुद्ध किये गये थे।

227 अब यदि परमेश्वर उस कुवारी को शुद्ध करने जा रहा है, जो कि अच्छी स्त्री थी, परन्तु वह अपने चिरागदान में तेल लेने के लिये असफल रही और वह उसे कष्टो में होकर शुद्ध करने जा रहा है। उसने उन गोत्रो को ठीक वहाँ रखा, उन्ही बातो के लिये और क्लेश के काल में उन्हे शुद्ध किया। क्योंकि यह शुद्धहोना है, यह न्याय है। परन्तु, आप देखिये वे, इसके बाद और यहाँ देखिये यहाँ एक लाख चवालीस हजार इस्त्राएल के शुध्दीकरण के बाद आते है, और यहाँ मूर्ख कुवारिया भी आती है, शुद्ध होकर आती है और श्वेत वस्त्र पहने हुये है। समझे? कितना सिद्ध! यह कितना सुन्दर है!

228 जैसे याकूब कष्ट के समय में, देखिये। वे... याकूब कष्ट के समय में उसने गलत किया था। परन्तु वह शुद्ध होने के समय से होकर निकला क्योंकि उसने अपने भाई के साथ गलत किया था, ऐसाव के साथ। समझे? उसने अपना जन्म सिद्ध अधिकार लेने के लिये धोखा दिया था। परन्तु वह शुध्दीकरण में से होकर निकला इसके पहले कि उसका नाम याकूब से इस्त्राएल में बदलता, जो कि परमेश्वर की व्यवस्था का प्रतीक है, आज का प्रतीक।

229 अब हम आठवा पद निकालेगे... पहला पद, मेरा अर्थ आठवे अध्याय का; प्रकाशितवाक्य 8:1 का।

230 मैं जानता हूं आप थक गये है। परन्तु अब कुछ मिनटो के लिये सुनने का यत्न करे, अब। और स्वर्ग का परमेश्वर हमारी सहायता करे, मेरी यह प्रार्थना है।

231 हमे यह स्मरण रखना चाहिये कि यह सातवी मोहर समय का अन्त है, सारी चीजो का। यह ठीक बात है। यह बाते सात मोहर की पुस्तक में लिखी हुयी है, मोहरबन्द है, संसार के रचने से पहले छुटकारे की योजना, इसका हर बिन्दू समाप्त हो गया। यह अन्त है; यह संसार के संघर्ष का अन्त है। यह प्रकृति के संघर्ष का अन्त है, यह हर चीज का अन्त है, इसमे तुरहियो का अन्त है। यह कटोरो का अन्त है। यह पृथ्वी का अन्त है, यह यहाँ तक कि समय का अन्त है।

232 समय समाप्त हो गया। बाइबल ऐसा कहती है, मत्ती, सातवा अध्याय मेरा अर्थ प्रकाशितवाक्य सातवा अध्याय 10 वां अध्याय और और एक से सातवां पद। समय समाप्त हो गया। स्वर्गदूत ने कहा, "समय और नहीं रहेगा," जब वह, इस महान बात के घटित होने के दिनो में।

233 हर चीज समाप्त हो गयी, इस समय अन्त... इस सातवी मोहर के अन्त में। ध्यान दे यह कलीसिया काल का अन्त है, यह सातवी मोहर का अन्त है। यह तुरहियो का अन्त है। यह कटोरो का अन्त है और यहाँ तक कि सहस्त्रशताब्दी में प्रवेश का अन्त। यह सातवी मोहर पर है।

234 यह हवा में राकेट दागने के समान है। और उस राकेट का *यहाँ* धमाका होता है, और यह चला जाता है और फिर से धमाका होता है। इसमे से पाँच सितारे निकलते है, और उनमे से एक सितारे में धमाका होता है और उससे पाँच सितारे निकलते है; और फिर उनमे एक सितारे में धमाका होता है, और इससे पाँच सितारे निकलते है। देखिये, धूमिल हो जाता है।

235 यही, जो सातवी मोहर है। यह बस संसार के लिये समय का अन्त है। यह *इसके* लिये समय का अन्त है। यह *उसके* लिये समय का अन्त है। यह *इसके* लिये समय का अन्त है। यह समय का अन्त है। हर चीज सातवी मोहर पर समाप्त हो जाती।

236 अब, वह इसे कैसे करने जा रहा है? यही जो हम नहीं जानते। क्या यह नही है? हम नहीं जानते

237 यह यहाँ तक कि यह इन सारी बातो के लिये समय है, और सहस्त्रशताब्दी में प्रवेश करना।

238 ध्यान दे, इस मोहर का टूटना इतना महान था कि इसके द्वारा स्वर्ग शांत हो गया, "शांती में, आधी घडी के लिये।" अब, क्या यह महान बात है! यह क्या है? स्वर्ग शांत थे आधी घडी के लिये, कोई भी हलचल नहीं थी।

239 अब, एक आधा घण्टा लम्बा नही है, यदि आपका समय अच्छा है। परन्तु मृत्यु और जीवन के बीच का भेद यह सहस्त्रशताब्दी सा प्रतीत होता है। यह इतना महान था!

यीशु ने इसका कभी भी उल्लेख नहीं किया। उनमे से बाकी किसी ने भी नहीं।

240 यहाँ तक कि यूहन्ना इसे लिख भी नहीं सका। नही, उसे *यहाँ* यह लिखने से रोका गया [भाई ब्रन्हम अपनी बाइबिल को दो बार थपथपाते है।—सम्पा।] देखिये, वहाँ बस एक बस... उसने इसे नहीं लिखा, परन्तु यह शांती है।

241 और चौबिस प्राचीन जो परमेश्वर के सामने खडे थे, वहाँ उनकी वीणा से वीणा वादन उन्होने अपनी वीणाओं को बजाना बन्द कर दिया।

स्वर्ग में स्वर्गदूतो ने अपना गाना गाना बन्द कर दिया।

242 सोचिये! वे पवित्र करुब और सराफीम, जो यशायाह ने मन्दिर में देखे, छ: जोडीयो के साथ... या तीन जोडी पंखो के साथ। तीन... दो उसके मुख पर, और पैरो के ऊपर और उड रहे थे। और दिन और रात, वे परमेश्वर के सामने "पवित्र, पवित्र, पवित्र गा रहे है, प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान है!" और यहाँ तक कि जब वे भीतर आये या मन्दिर के अन्दर आये, तो मन्दिर के खम्बे उनकी उपस्थिति से हिल गये।

243 और ये पवित्र सराफीम शांत हो गये। स्वर्गदूतो ने गाना बन्द कर दिया ओह! व्हूव! परमेश्वर की उपस्थिति में उड रहे है गा रहे है, "पवित्र, पवित्र पवित्र" वे शांत हो गये। कोई स्वर्गदूत नही गा रहा है। कोई स्तूति नहीं। कोई वेदी कि सेवा नहीं, नहीं कुछ नहीं। वहाँ शांती थी; स्वर्ग में बिल्कुल सन्नाटा, आधे घण्टे का।

244 स्वर्ग की सारी सेना इस आधे घण्टे में शांत थी, जब यह सातवी मोहर का भेद छुटकारे की पुस्तक में तोड कर खोला गया, इस पर सोचे, परन्तु यह तोडी गयी। मेम्ना इसे तोडता है। आप जानते है क्या? वे इससे विस्मित थे मैं विश्वास करता हूं। उन्हे नहीं मालूम था; कि यह वहाँ था! वे बस रुक गये।

245 क्यों? यह क्या है? अब, हम से कोई नहीं जानता। परन्तु मैं आपको बताने जा रहा हूं, मेरे इसके अपने प्रकाशन में।

246 और अब मेरा झुकाव धर्मान्ध होने का नहीं। यदि मैं इससे अज्ञान हूं देखिये। मैं... मैं ऐसा कुछ चालक दृष्टी जैसी, काम चलाऊ और काल्पनिक चीजे देने नहीं जा रहा हूं।

247 मैने कुछ बाते कहीं है, कुछ लोगो के लिये एक प्रकार से विचित्र हो सकती है। परन्तु जब परमेश्वर आस–पास आता है, इसके पीछे और इसका समर्थन करता है और कहता है कि यह सत्य है, तो यह परमेश्वर का वचन है। समझे? यह विचित्र प्रतीत हो सकता है इस प्रकार से। समझे?

248 और जितने निश्चित रुप से मैं आज रात्रि इस प्रचार मंच पर खडा हूं, मेरे पास प्रकाशन था जिसने प्रकट किया, यह तीन सतहिये ढंग में है, जो

मैं आप से बोलुगा परमेश्वर की सहायता से, इसके एक सतह का। और तब आप... आईये इस पर पहले चले, यहाँ वह प्रकाशन आरम्भ होता है, जो मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह क्या है, क्या हुआ, क्या यह... वे सात गर्जने जो उसने गर्जने सुनी और लिखने से रोका गया; यही वह भेद है जो उन निरन्तर गर्जनो के पीछे है, जो बाहर आयी। [भाई ब्रन्हम प्रचार मंच पर बाइबल टक करते है।—सम्पा।]

249 अब क्यों? आईये हम इसे सिद्ध करे, क्यों? यह भेद है जो कोई नही जानता इस विषय में। यूहन्ना को इस विषय में लिखने को मना कर दिया, यहाँ तक कि इस विषय में प्रतीक भी। क्यों? यह क्योंकि वहाँ हल चल नहीं थी—स्वर्ग में हल चल! इस से भेद प्रकट हो सकता है, क्या अब आप इसे देखते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

250 यदि यह इतना महान है, तो इसे सम्मलित किया जाना चाहिये था, क्योंकि इसे घटित होना था। परन्तु जब सात गर्जने...

251 अब ध्यान दे, जब सात स्वर्गदूत अपनी तुरहियाँ बजाने के लिये आते है, वहाँ एक गर्जन थी। [भाई ब्रन्हम एक बार प्रचार मंच पर टक करते है।—सम्पा।] जब इस्राएल जमा हुआ था तो वहाँ एक तुरही थी। "जब समय और ना होगा," अन्तिम तुरही, एक गर्जन।

252 परन्तु यहाँ सीधे–सीधे सात गर्जने है, ठीक एक पंक्ती में! एक दो तीन, चार, पांच, छः, सात यह सिद्ध अंक, सात गर्जनो ने एक पंक्ती में आवाज की, ना कि... ठीक ठीक एक दो तीन चार पांच छः सात सीधे–सीधे हो रहे है। [भाई ब्रन्हम सात बार मंच पर टक करते है।—सम्पा।] तब स्वर्ग इसे लिख नहीं सके, स्वर्गो में इस विषय में पता नहीं लगा, कुछ नहीं, क्योंकि वहाँ कुछ नहीं हो रहा था। यह विश्राम का समय था। यह इतना महान था, यहाँ तक कि यह स्वर्गदूतो से भी छिपा लिया गया था।

253 अब क्यो? यदि शैतान इसको पकड लेगा, वह एक बडी हानि पहुँचा सकता है। केवल एक बात जो वह नहीं जानता। अब वह किसी भी चीज का चाहे अनुवाद कर सकता है और किसी भी वरदान कि नकल (मैं आशा करता हूं कि आप सीख रहे है) परन्तु वह इसे नहीं जान सकता। यह वचन में लिखा तक नहीं है। यह एक पूर्ण भेद है।

254 वह स्वर्गदूत हर चीज बन्द है, यदि वे जरा भी हल चल करते ये कुछ दे सकता है, इसलिये वे बिल्कुल शांत है, वीणा बजाना बन्द कर दिया। हर चीज रुक गयी।

255 सात परमेश्वर का सिद्ध अंक है, सात। [भाई ब्रन्हम प्रचार मंच पर सातबार टक करते है।—सम्पा।] ठीक सीधे पंक्ति में । सात गर्जने निरन्तरता में एक साथ गर्जी, जैसे उन्होने किसी चीज का अक्षर विन्यास किया हो। ध्यान दे, उस समय, यूहन्ना ने लिखना आरम्भ किया उसने कहा, "इसे मत लिख।"

256 यीशु ने इसके लिये कभी नहीं बोला यूहन्ना इसे ना लिख सका। स्वर्गदूत इस विषय में कुछ नहीं जानते। यह क्या है? यह वह चीज है जो यीशु ने कहा, "यहाँ तक कि स्वर्ग के दूत भी इस विषय में नहीं जानते," इस विषय में कुछ भी नहीं । समझे? समझे? उसे स्वयं को यह नहीं मालूम, कहा, "केवल परमेश्वर।" यह जानता है।

257 परन्तु उसने हमें बताया, जब हम "इन चिन्हो को आते हुये देखे।" अब आप कही पहुँच रहे है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] ठीक है। ध्यान दे, हमने, "चिन्हो को आते हुये देखना आरम्भ कर दिया है।" समझे?

यदि शैतान इसे पकड सके...

258 यदि आप चाहते है कि कुछ घटित हो... अब आपको इसके लिये मेरे शब्द को लेना पडेगा। यदि मैं कुछ करने कि योजना बना रहा हूं, तो इस विषय में किसी को बताने से मैं अच्छा जानता हूँ। ना कि वह व्यक्ति इसे बतायेगा, परन्तु शैतान इसे सुन लेगा। समझे? वह मेरे हृदय के अन्दर नहीं आ सकता, जब तक कि परमेश्वर ने इसे पवित्र आत्मा से बन्द कर रखा है, इसलिये यह मेरे और परमेश्वर के बीच में है। समझे? वह इस विषय में कुछ नहीं जानता जब तक कि आप ना बोले, तब वह इसे सुनता है। और मैने परखा है... मैं लोगो को बताता हूं, मैं *वह–वह* चीजे करूंगा और ध्यान शैतान हर मार्ग को काट देता है जो वह कर सकता है कि वहाँ पहुँचे कि मुझे इस से हटा दे। परन्तु यदि मुझे परमेश्वर से प्रकाशन मिलता है, और इस इस विषय में कुछ नहीं कहता, तो यह भिन्न है।

259 याद रखे शैतान नकल मारने की को कोशिश करेगा वह हर चीज कि नकल करने कि कोशिश करेगा जो कलीसिया करेगी। उसने यह करने कि कोशिश की है, हमने यह मसीह विरोधी में होते हुये हुये देखा है।

260 परन्तु यह एक चीज है जिसकी वह नकल नहीं कर सकता इसकी कोई नकल नहीं होगी, क्योंकि वह यह नहीं जानता, उसके पास कोई विधी नहीं कि इसे जाने, यह तीसरा खिचाव है। वह इसके विषय में कुछ नहीं जानता। समझे? वह इसे नहीं समझता।

261 परन्तु इसके नीचे इसका भेद है! [भाई ब्रन्हम एक बार पुलपीट पर खट करते है।—सम्पा।] ऊंचे पर परमेश्वर की महिमा हो! मैं कभी भी वैसा नहीं सोच सकता था अपने सारे जीवन भर, जब मैने देखा। अब मैं नहीं जानता क्या... मैं अगला कदम जानता हूँ, परन्तु नही जानता क्या, मैं कैसे इसका अनुवाद करु। यह अधिक लम्बा नहीं होगा। मैने यहाँ लिख रखा है, जब यह घटित हुआ, यदि आप यहाँ देख सके, "रुक जाओ अब यहाँ से इसके आगे ना जाओ।" मैं हट धर्मी नहीं होना चाहता। मैं ठीक सच्चाई बता रहा हूं।

262 परन्तु आपको छोटा जूता याद है, जिसकी मैने सदा व्याख्या करने की कोशिश की कैसे वह प्राण आगे रखा है, उस *अमूक–अमूक* का और भीतरी विवेक और सब प्रकार कि चीजे? जिसका इसने इसके बाद केवल नकल मारने वालो का बडा झुण्ड बनना आरम्भ कर दिया। कैसे उन्हे हाथ पकडना था और लोगो को पकडना और कंपन लेना? उनके हर एक के हाथो में कंपन थे।

263 परन्तु आप स्मरण रखे, जब वह मुझे वहाँ ऊपर ले गया और कहा, "यह तीसरा खिचाव है, और इसे कोई नही जान पायेगा।" आपको यह याद है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] दर्शन कभी भी असफल नहीं होते। वे पूरी रीति से सत्य है।

264 अब ध्यान दे, स्मरण रहे उस झुण्ड का दर्शन? चार्ली, मैं... तुम यहाँ हो।

265 कुछ चल रहा है, मैने इस सप्ताह आपको बताया है कि आप... यह आपके चारो ओर रहा है, परन्तु मुझे आश्चर्य है, यदि आपने इसका ध्यान किया है।

266 स्मरण करे, स्वर्गदूतो के झुण्ड का दर्शन, जब मैं यहाँ से एरीजोना के लिये निकला? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] आपको याद है, "*श्रीमानो क्या यही समय है?*" ["आमीन।"] आपको याद है? ध्यान दे वहाँ केवल एक बडा गर्जन का धमाका था और सात स्वर्गदूत प्रकट हुये। यह ठीक है? ["आमीन।"] गर्जन का एक धमाका, सात स्वर्गदूत प्रकट हुये।

> *और मैने मेम्ने को देखा जब उसने पहली मोहर खोली थी, और मैने एक गर्जन का सा शब्द सुना चारो प्राणियो में से एक ने कहा, आ और देख।*

267 ध्यान दे, एक गर्जन, सात सन्देश जो कि मोहरबंद थे और अन्त के दिन तक प्रकट नहीं हो सकते थे, इस युग में। देखिये, मेरा क्या अर्थ है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

268 अब क्या आपने इस सप्ताह में भेद भरे भाग पर ध्यान दिया? वही जो यह है। यही जो रहा है। यह कोई मनुष्य नहीं है, एक मनुष्य, यह प्रभु के स्वर्गदूत थे। ध्यान दे।

269 वहाँ तीन की गवाहियाँ है, यहाँ बैठे हुये है, एक सप्ताह पहले, या थोडा सप्ताह से अधिक, मैं वहाँ पीछे पहाडो में था, मैक्सीको के पास, दो भाईयो के साथ जो यहाँ बैठे है गोखरु या बालू भिट्टी अपनी पैंट के पायेचे से छुडा रहा था; और एक धमाका हुआ, जो कि लगभग ऐसा लगा कि पहाडो को हिला दिया। अब यह ठीक बात है। मैने अपने भाईयो को कभी नहीं बताया, परन्तु उन्होने अन्तर को देख लिया था।

270 और उसने मुझ से कहा, "अब तैयार हो जाओ। पूर्व में जाओ। यहाँ उस दर्शन का अनुवाद है।" समझे? अब आपको बता दू भाई सोथमैन को शिकार नहीं मिला जिसके पीछे वे गये थे। हम उनके लिये को कोशिश कर रहे थे। और उसने कहा, "अब आज रात्रि तुम्हारे लिये एक चिन्ह, वह इसे नहीं करने जा रहा है, आपको इस समय इन स्वर्गदूतो की मुलाकात के लिये पवित्र हो जाना चाहिये।" और मुझे अनुभव हुआ, मैं अपने आपे में नहीं हूं, आपको याद है।

271 और मैं पश्चिम में था। स्वर्गदूत पूर्व से आ रहे थे। और जैसे ही वे समीप आये, मैं उनके साथ उठा लिया गया था, (आपको स्मरण है?) पूर्व से आ रहे है। [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

272 और भाई फ्रेड एक गवाह आज रात्रि यहाँ पर है, और भाई नोरमन। जैसे कि हम नीचे गये, मैंने उस व्यक्ति को लगभग राजी किया कि वह रुक कर अपना शिकार कर ले। क्या यह ठीक बात है भाई सोथमन? [भाई फ्रेड सोथमन "आमीन" कहते है।—सम्पा।] हाँ, वहाँ पर खडे है मैने राजी किया; परन्तु फिर भी उन्होने कहा, "वह यह नहीं करेगा।" मैने कभी भी कुछ नहीं कहा; चला गया।

273 तम्बू के एक ओर कुछ बैठा हुआ था, उस दिन... भाई सोथमन आपको याद है और मैं और जैसे ही कुछ बाते बताई जा रही थी, जो मैने आपको बताया और भाई नोरमन... भाई नोरमन कहाँ है? वहाँ पीछे, उन्हे शपथ खिलाई कि उल्लेख नही करेगे, कि क्या घटित हुआ था। क्या यह ठीक बात है? [भाई लोग कहते है, "आमीन, कि यह सच है।"—सम्पा।] क्या मैं घूमकर और उस तम्बू से निकल गया *इस* प्रकार से? क्या यह ठीक बात है? ["यह ठीक बात है।"]

274 क्योंकि यही जो यह था, ठीक जो यह था और जानते हुये कि मैं कह नही सका जब तक यह ना हो गया, देखिये यदि लोग इसे समझेगे।

275 और क्या आपने ध्यान दिया? "कि वह एक स्वर्गदूत," मैने कहा, "उन में एक निराला स्वर्गदूत था।" वह मुझे बाकियो से अधिक ध्यान से देख रहा था, आपको याद है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] वे एक झुण्ड में थे तीन एक ओर और एक चोटी पर। और एक मुझ से अगला यहाँ उल्टे हाथ से सीधे को गिने सातवां स्वर्गदूत होगा वह अधिक चमकदार था, बाकियो से वे मेरे लिये अधिक अर्थ रखता था आपको याद है? मैने कहा, "उसका सीना बाहर को निकला हुआ इस प्रकार से और पूर्व की ओर उड रहा था।" (आपको याद है) "इस प्रकार से।" मैने कहा, "उसने मुझे ऊपर खींच लिया; मुझे ऊपर उठा लिया।" आपको यह याद है? ["आमीन।"]

276 यहाँ यह है, एक सातवी मोहर के साथ, वह चीज जिस से मैं सारे जीवन आश्चर्यचकित रहा। आमीन! वे दूसरी मोहरे मेरे लिये बहुत अर्थ रखती हैं, निसन्देह, परन्तु, ओह, आप नहीं जानते इसका क्या अर्थ है क्योंकि जीवन में एक बार! [भाई ब्रन्हम मंच पर कई बार टक करते है।—सम्पा।]

277 मैने प्रार्थना की, मैंने परमेश्वर की दुहाई दी मैं—मै—मैं... फिनिक्स कि सभा के बाद... लोगो में कोई वहाँ मेरे साथ थे जानते है। मैं पहाडो में पडा रहा।

278 एक प्रात:, मैं उठा और सबीनो की घाटी में चला गया, वे बडे–बडे उबाड खाबड, ऊंचे पहाड। और मैं उन में चला गया। और वहाँ एक छोटी पगडण्डी थी वहाँ से आगे बढ जाने के बाद, लेमन पहाड पर चले जाते है, जो की तीस मील का पैदल मार्ग है लगभग तीस फुट कि बर्फ वहाँ पर है। इसलिये वहाँ ऊपर पहाड पर बहुत सवेरे दिन निकलने के पहले इस पगडण्डी से ऊपर जा रहा था, किनारे लुढके हुये पत्थर। मुझे *इस* ओर घूमने की अगुवाई हुयी। और मैं घूम गया और किसी बडे दांते दार चट्टानो में, ओह, प्रभु, सैकडो फुट ऊँचे।

279 और मैने उन चट्टानो के बीच अपने घुटने टिकाये, मैने *यह* बाइबल रख दी, और यह पुस्तक रख दी... *यह* छोटी पटिया [भाई ब्रन्हम अपनी बाइबल और पटिया दिखाते है।—सम्पा।] मैने कहा, "प्रभु परमेश्वर, इस दर्शन का क्या अर्थ है? मैं—मैं हूं—मैं हूं... " मैने कहा, "प्रभु ये... क्या इसका अर्थ मेरा मरना है? "

280 आपको याद है, मैने आपको बताया, "मैने सोचा इसका अर्थ मेरी मृत्यू हो सकती है, क्योंकि किसी चीज का धमाका हुआ यहाँ तक इसने मुझे टुकडो में हिला दिया।" आपको यह याद है। कितने यह जानते है, ये सुना है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्यों, निश्चय ही देखिये आप सब। और मैने सोचा इसका अर्थ मेरी मृत्यु हो सकता है।

281 और तब कमरे में, मैने कहा, "था... क्या—क्या—क्या था, यह प्रभु? इसका क्या—क्या अर्थ है? क्या इसका अर्थ मैं मरने जा रहा हूं? यदि यह है ठीक है। मैं अपने परिवार को नही बताऊगा। बस मुझे जाने दे, देखिये, यदि मेरा काम पूरा हो गया है।" और मैने कहा...

282 अब यह क्या था? परन्तु उसने एक गवाह को वापस भेजा आपको याद है मैं आपको बता रहा हूं कि यह वह नहीं था, यह मेरे कार्य का आगे बढना था। ओह, ओह, ओह! आप समझे? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] समझे? और सबीनो केनयन में बैठा हुआ था...

283 स्वर्गीय पिता यह जानता है। ठीक इतना ही सत्य है, आप इसे घटित होते हुये देखते है, वे स्वर्गदूत नीचे आये और हर सन्देश का वैसे ही

समर्थन किया। तब, आप जानते है चाहे यह परमेश्वर से आता है या नहीं। यह आपको दर्शन के द्वारा पहले बता दिया गया। जब तक सभाये समाप्त नहीं हो जाती, मैं आपको बता नहीं सकता था, क्योंकि मुझे मना किया गया था।

284 सबीनो केनयन में, मैं उस प्रात: बैठा हुआ था, मेरे हाथ ऊपर की ओर थे और मेरा हवा ने मेरे पुराने काले टोप को उडा दिया था। जब... मैं वहाँ खडा हुआ था अपने हाथ ऊपर किये प्रार्थना कर रहा था। मैने कहा, "प्रभु परमेश्वर इसका क्या अर्थ है? प्रभु मैं इसे नहीं समझ सका, मुझे क्या करना है? यदि यह मेरी घर—वापसी का समय है तो मुझे यहाँ से जाने दे जहाँ कि वे मुझे कभी नहीं ढूंढ पायेगे, मैं नहीं चाहता कि कोई मातम् करे, यदि मैं जा रहा हूं, मैं—मैं चाहता हूं कि परिवार सोचे मैं बस कही घूमने गया हूं और वे मुझे नहीं पायेगे। मुझे दूर छिपा दे, यदि मैं जा रहा हूं, क्यों, मुझे जाने दे सम्भव है जोजफ मेरी बाइबल को यहाँ किसी दिन रखे हुये पाये और यह उसे उपयोग करने देना, देखिये, यदि मैं जा रहा हूं तो मुझे जाने दे, प्रभु।" और मेरे हाथ उठे हुये थे। और अचानक से कोई चीज मेरे हाथ में लगी।

285 मैं नहीं जानता। मैं नहीं कह सकता। क्या मैं नीद में था? मैं नहीं जानता। क्या मैं भाव समाधी में था? मैं नहीं जानता, क्या यह एक दर्शन था? मैं नहीं बता सकता। आपको केवल एक ही चीज मैं कह सकता हूं, जो मैं... ठीक वैसी ही चीज जैसे वे स्वर्गदूत थे!

286 यह मेरे हाथ से टकराई। और मैने देखा, और यह एक तलवार थी। और इसका हत्था मोतियो का था, वास्तव में सुन्दर और उसके ऊपर सोने की सुरक्षा पट्टी और फाल कुछ क्रोम चांदी जैसा, ये केवल वास्तव में चमकदार थी। और इसकी धार इतनी तेज थी, ओह प्रभु! और मैने सोचा, "क्या ये सुन्दरतम् चीज नहीं है!" मेरे हाथ में ठीक बैठी थी! मैने सोचा, "यह तो बहुत ही सुन्दर है, परन्तु, " मैने कहा, "अरे! मैं तो सदा ऐसी चीजे से डरता हूं, एक तलवार।" मैने सोचा, "इसका मैं क्या करुगा? "

287 और ठीक तब ही एक आवाज ने वहाँ हिला दिया जिसने चट्टानो को हिला दिया। कहा, "यह एक राजा कि तलवार है!" और तब मैं इसमे से बाहर आ गया।

288 "विशेष तलवार राजा की।" अब यदि इसने कहा होता, "राजा की एक तलवार... " परन्तु इसने कहा, "विशेष तलवार विशेष राजा की," और केवल एक ही "विशेष राजा" है, और वह परमेश्वर और उसकी एक तलवार है वह उसका वचन जिसके द्वारा मैं जीवित हूं। ये, इसलिये परमेश्वर मेरी सहायता करे; यहाँ आपके पवित्र मेज पर खडा हूं, उसके पवित्र वचन के साथ यहाँ रखा है! यह वचन है! आमीन! ओह क्या ही दिन है जिसमे हम जी रहे है! क्या ही महान बात है! इस भेद और गुप्त को देखिये? वह तीसरा...

289 मैं वहाँ खडा हुआ था जब इसने मुझे छोडा, कुछ मेरे पास आया और कहा, "डर मत।" अब मैने कोई आवाज नहीं सुनी जैसे कि कोई मेरे अन्दर से बोला, मुझे आपको सत्य ही बताना है कि ठीक क्या घटित हुआ। कुछ टकराया और कहा, "डर मत यह तीसरा खिचाव है।"

290 तीसरा खिचाव! आपको यह याद है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] उसने कहा, "इस पर तेरे यहाँ बहुत से नकल करने वाले थे, जिसकी तू ने व्याख्या करने कि कोशिश की, परन्तु," कहा, "इसकी कोशिश भी ना करना।" आपको याद है? कितनो को वह दर्शन याद है? ["आमीन।"] क्यो, यह पूरा हो गया, यह टेप पर है और सब जगह। यह लगभग छ: वर्षो पहले, सात वर्ष पहले। यह सात वर्ष पहले। कहा, "इसकी व्याख्या करने का यत्न ना करना।" कहा, "यह तीसरा खिचाव है, परन्तु मैं तुझ से वहाँ मिलुगा।" यह ठीक बात है? ["आमीन।"] उसने कहा, "कोशिश ना करना... "

291 मैं वहाँ एक छोटे बच्चे के जूते के साथ खडा था, जब उसने मुझे यह बताया। कहा, "अब अपना पहला खिचाव बनाओ, और जब तुम यह करते हो, मछली चारे के पीछे भागेगी," कहा, "तब अपने दूसरे खिचाव पर ध्यान देना," कहा, "क्योंकि यह केवल छोटी मछली होगी।" उसने कहा, "तब तीसरा खिचाव इसे ले लेगा।"

292 तब वे सारे सेवकगण मेरे चारो ओर घिर आये, बोले, "भाई ब्रन्हम हम चाहते है आप यह कर सकते है! हाल्लेलुया! भाई ब्रन्हम।" यही जहाँ मैं सदा बंध जाता हूं, प्रचारको के झुण्ड के साथ। समझे? मैं लोगो से प्रेम करता हूं। वे आप से चाहते है कि हर चीज की व्याख्या कर दे, *इसकी, उसकी*।

293 और मैने कहा, "भाई ओह, हो, हो," मैने कहा, "मैं नहीं जानता।" मैने कहा, "मैं मछली पकडना समझ गया हूं। अब," मैने कहा, "पहली चीज जो आपको करनी है... यहाँ विधी है, यह हो गया। आप देखिये, सारी मछली आस–पास; आपको काँटे को झटका देना है।" भाई, यही मछली पकडने की सही युक्ति है। इसलिये मैने कहा, "कांटे को झटका दो। अब, आप देखिये, जब मैने कांटे को झटका मारा पहली बार अब मछली ने उसमे से छुटा लिया।" परन्तु वे छोटी थी। और यह जैसे कि वे पकड रही है।

294 इसलिये तब, मैने—मैने कहा, "तब आप करेंगे—आप सही बैठायेगे... " और मैने इसे झटका मार कर बाहर कर दिया किनारे पर, और मेरे पास एक मछली थी परन्तु यह ऐसे लग रही थी जैसे चारे के ऊपर खाल है, यह बस थी... यह इतनी छोटी थी।

295 और तब मैं वहाँ खडा हुआ था और किसी चीज ने कहा, "मैने तुम्हे बताया था कि यह नहीं करना है!"

296 मैं रोने लगा। सारी डोर मेरे चारो ओर उलझ गयी थी, *इस* प्रकार से। और मैं... वहाँ खडा हुआ था, *इस* प्रकार से सिर नीचे करके रो रहा था। मैने कहा, "परमेश्वर! ओह, मैं... मुझे क्षमा कर दे! मैं—मैं एक मूर्ख व्यक्ति हूं, प्रभु मैं नहीं... मुझे क्षमा कर दे।" और मैं—मेरे पास यह डोर थी।

297 और ये जो मेरे हाथ में था एक छोटे बच्चे की जूती, लगभग *इतनी* लम्बी। और मेरे पास वह फिता वह लगभग इतना मोटा जितनी मेरी उंगली, लगभग आधा इंच जैसी। और जूती में फिता डालने के छेद का आकार लगभग... सम्भव: एक इच के एक बटे सोलह से, छोटा छेद। और मैं इसमें फीता डालने की कोशिश कर रहा था इस छोटे जूते में, इस इंच भर मोटे फीते को। ओह!

298 एक आवाज आई और बोली, "तुम पेंटीकोस्टल बालको को अलौकिक बाते नहीं सिखा सकते।" कहा, "अब, उन्हे छोड दो!"

299 और तब ही उसने मुझे ऊपर उठा लिया। मुझे ऊपर ले गया और मुझे ऊंचे पर बिठा दिया, जहाँ सभा चल रही थी। एक तम्बू जैसा दिखाई पडा या एक, एक प्रकार का आराधनालय। और मैन देखा और वहाँ एक छोटा सन्दूक था, जैसे, उसके अन्दर एक छोटा स्थान था और मैने देखा कि ज्योति किसी से बाते कर रही थी, मेरे ऊपर, वह ज्योति जो आप वहाँ चित्र में देखते है, यह घूमती हुयी मेरे पास से चली गयी, *इस* प्रकार से और तम्बू

के ऊपर पहुँच गयी, और कहा, "मैं तुझ से वहाँ मिलुंगा।" और कहा, "यह तीसरा खिचाव होगा और तुम्हे इसे किसी को नहीं बताना होगा।"

और सबीनो केनयन में उसने कहा, "यह तीसरा खिचाव है।"

300 और वहाँ तीन महान बाते जो इसके साथ चलती है। और एक आज खोल दी... या बीते कल; दूसरी वाली आज खोल दी और वहाँ एक बात जिसका मैं अनुवाद नहीं कर सकता, क्योंकि यह एक अनजानी भाषा में है। परन्तु मैं ठीक वहाँ खडा था, और सीधा उसकी ओर देख रहा था और यह तीसरा खिचाव आ रहा है। [भाई ब्रन्हम पुलपिट को तीन बार खटखटाते हैं।—सम्पा।] और परमेश्वर का पवित्र आत्मा, ओह, प्रभु!

यही कारण है, सारा स्वर्ग शांत था।

301 अब अच्छा हो कि मैं ठीक यहाँ पर रुक जाऊ, देखिये। मैं बस—मैं बस रुक जाने का अनुभव कर रहा हूं, इसके विषय में और अधिक ना कहूं। समझे?

302 इसलिये, बस याद रखे, सातवी मोहर, कारण कि यह खोली नहीं गयी। [भाई ब्रन्हम पुलपीट को छ: बार खटखटाते है।—सम्पा।] देखिये, कारण यह प्रकट नही की गयी, इसके विषय में किसी को भी नही जानना है।

303 और मैं चाहता हूं कि आप जाने, इसके पहले यहाँ तक कि मैं इस विषय में कोई शब्द जानू, यह दर्शन वर्षो पहले आया था। आपको यह याद है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] और यह यहाँ है ठीक वैसे ही जैसे यह दूसरा वाला ठीक सीधा वचन में ठीक बैठा जहाँ यह था। [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर दो बार टक करते है।—सम्पा।] और परमेश्वर मेरे ह्रदय को जानता है, मैने कभी भी एक बार ऐसी बात नहीं सोची। और यह यहाँ पर था, यह हमारे सोचने से पहले ओह हो! ओह, प्रभु!

304 यह ये दर्शाता है कि यह परमेश्वर की ओर से है, क्योंकि देखिये यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा में सही बैठता है, सन्देश के अन्त में। आप ध्यान दे। अब ध्यान दे, अन्त समय के लिये सन्देश यह मोहर। कुल मिलाकर इसने सारी छ: मोहरे प्रकट कर दी है, परन्तु वह सातवी के विषय में कुछ नहीं कहता और अन्त समय कि मोहर, जब यह आरम्भ होती है यह बिल्कुल पूरी रीति से गुप्त है, बाइबल के अनुसार। इसके पहले कि इसे जाने और प्रकाशितवाक्य 10:1—7, 1 से 7 10 वां अध्याय 1 से सात को। याद

रखे, "सातवे दूत के सन्देश के अन्त में, परमेश्वर के सारे भेद मालूम हो जायेगे।" हम लोग अन्त समय में है, सातवी मोहर के खुलने पर।

305 अब, मैं कैसे जानता हूं? उस दिन बीते रविवार आज से एक सप्ताह पीछे, जब मैं प्रचार कर रहा था "नम्र बने! नम्र हो जाये! याद रखे, परमेश्वर छोटी बातो में व्यवहार करता है।" मैने अनुभव नहीं किया कि वास्तव में यह क्या था जिसके विषय में बाते कर रहे है। और अब मैं ये देखता हूं। यह इतने नम्रता में है, आप यह सोचेंगे, कि वेटिकन में कुछ इस प्रकार से प्रकट होगा या... परन्तु यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के समान आयेगा, यह हमारे प्रभु के जन्म के समान आता है, चरनी में। परमेश्वर की महिमा हो! अत: मेरी सहायता करे समय निकट है! आमीन! हम यहाँ पर है। ओह, प्रभु!

306 अब, क्या आप देखते है, परमेश्वर के दर्शन का सत्य, वे सात स्वर्गदूत मुझे पश्चिम से लाये? वे पश्चिम से आ रहे थे, वापस पूर्व में आये, यहाँ इस सन्देश के लिये ला रहे थे, आज रात्रि। [भाई ब्रन्हम पुलपीट को दोबार बजाते है।—सम्पा।] ओह, प्रभु!

307 अब उस महान गर्जन की आवाज और उदेश्य जो यहाँ लाया गया, प्रकट हो गया है, कि ये... और सिद्ध किया कि यह परमेश्वर की ओर से है। अब जरा सोचे। मुझे यह मोहरे नहीं मालूम थी और वे इस सप्ताह में प्रकट की गयी। क्या किसी ने यह सोचा कि वे सात स्वर्गदूत यह होगे सन्देश होने के नाते जो आ रहा था, वे स्वर्गदूत मुझे यहाँ वापस इसके लिये लाये? समझे?

308 स्मरण रहे, वह सातवा सन्देशवाहक था... सात सन्देशवाहक थे विशेष वाला मुझे, सातवा स्वर्गदूत, वह मेरे लिये और से अधिक था। अब, देखिये, वे *इस* प्रकार से खडे थे। अब, हम चाहते कि आप ध्यान दे। और मैं *यहाँ* खडा था, और मैं उन दूसरो को देख रहा था...

309 देखिये एक, पहला झुण्ड छोटी चिडियो का नीचे की ओर पंख मारे, आपको वे याद है? और वे सारी पूर्व कि ओर उड गयी। और दूसरे वाले, अधिक चमकदार, बडी चिडियाये, पंडुकी जैसी दिखाई पडी, नोकीले पंख, वे पूर्व कि ओर उड गयी, पहला खिचाव, दूसरा खिचाव और तब अगले स्वर्गदूत थे। और जैसे...

310 और मैं ठीक वहाँ खडा था, और यह धमाका हो गया था। और मैं *इस* ओर देख रहा था, पश्चिम की ओर। और वे आये बस मुझे ऊपर उठा लिया वहाँ से, मुझे मालूम ही नहीं पडा मैं चला गया। और उन में से एक आ रहा था, वह वह था जो मुझे बहुत विचित्र दिखाई पड रहा था, और वह मेरे... बायी ओर जहाँ से मैने उस झुण्ड में प्रवेश किया परन्तु उल्टे से सीधे को गिने तो यह सातवा स्वर्गदूत होगा सीधा आ रहा था। अब स्मरण रखे, सात सन्देशवाहक।

311 क्या आपको सफेद पत्थर वाला पिरामिड याद है, जूनियर जैकसन के स्वप्न का जिसका मैने आपको अनुवाद दिया था? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] समझे? ध्यान दे वह रात्रि जब मैने छोडा और मैं... छ: स्वप्न आये थे और उन में प्रत्येक सीधी सीधी एक बात थी। तब दर्शन आरम्भ हुआ और मुझे पश्चिम में भेज दिया। और जूनियर, वह देख रहा था जब कि... ध्यान दे, देखिये, कितना सिद्ध!

312 अब, मैं—मैं आशा और भरोसा कर रहा हूं कि आप लोग अनुभव करते है कि मैं यत्न कर रहा हूं कि इस अनुग्रह को यीशु मसीह, पर डाल दू जो कि इस सब का लिखने वाला है। और केवल कारण कि आपने मुझे कभी नहीं सुना होगा कि आपके जीवन में पहले इस प्रकार से बाते की हो, परन्तु यह घडी आ रही है। समझे? समझे? ध्यान दे।

313 अब इसे आपके लिये निश्चित करने के लिये, ताकि यह गहराई में बैठाया जा सके। मेरा आपको फिर से छोडना तय है, मै नहीं जानता मैं कहा जाऊगा, मुझे दूसरे स्थानो में सुसमाचार प्रचार करना चाहिये। परन्तु अब, वह...

314 आप कह सकते है, "मैने सब प्रकार की धर्मान्धता सुनी है।" मैं नहीं जानता क्या; मैं किसी दूसरे मनुष्य का न्याय नहीं कर सकता।

315 मुझे केवल परमेश्वर को जो मैने कहा उत्तर देना है... अपने लिये। परन्तु क्या कभी ऐसा समय हुआ कि मैने आपको कभी कोई बात बताई प्रभु के नाम में जो इन वर्षो में सही नहीं थी? [सभा कहती है, "नही।"—सम्पा।] कोई भी ऐसा नहीं कह सकता, क्योंकि मैने सदा वही बताया जिस प्रकार से उसने यह बताया।

316 अब मैं आपको जरा दिखा दू कि यह बिल्कुल सत्य है, और इसकी पुष्टी।

317 अब याद रखे, "यदि कोई एक आत्मिक या एक भविष्यद्वक्ता हो, मैं प्रभु उस से दर्शनों में बात करुगा और उस पर स्वप्नों से प्रकट करुगा।" स्वप्नो का अर्थ, क्या है, यूसुफ वह स्वप्नो का अर्थ बता सकता था, और बोलता और—और दर्शनों का देखना क्या यह सत्य है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

318 अब इस पर ध्यान दे, कि अब, जब यह घटित हुआ जूनियर एक मैदान में खडा था जहाँ एक बडा पैरामिड वहाँ इस प्रकार से। और वहाँ चट्टान पर कुछ लिखा हुआ था और मैं उसको लोगो पर प्रकट कर रहा था। क्या यह ठीक है, जूनियर? [भाई जैकसन कहते है, "यह ठीक बात है।"—सम्पा।] लगभग एक वर्ष पहले कि घटित हुआ।

319 अब अगली बात पर ध्यान दे। मैने एक प्रकार की छड ली और इसे काटा और उसके अन्दर सफेद पत्थर था, उस पर कुछ नहीं लिखा था, और उस समय, मैं पश्चिम कि ओर चलने लगा। और मैने उन सब को बताया, मैने कहा, "पश्चिम में ना जाना, यही टिके रहना और इसे देखते रहना, जब तक मैं वापस ना जाऊ।" पश्चिम में धमाके के लिये गया, वापस पूर्व को आया, पवित्र आत्मा के साथ इन ना लिखे छुपे वचन के अर्थ के साथ। यदि यह सिद्ध परमेश्वर सर्वशक्तिमान नही है, मैं चाहता हूं कि आप जाने यह क्या है।

320 मित्रों, मैं यह क्या कहने कि कोशिश कर रहा हूं? आपको यह दिखाने को, कि हम अन्त समय में है, अब यदि वे दूसरे सिद्धता से बिन्दू पर है वचन के साथ, इसलिये यह ठीक बिन्दू पर है वचन के साथ! हम यहाँ है। हम अन्त पर है, मित्रो।

321 जल्द यह होगा, "समय समाप्त हो गया।" लाखो अपने जीवन गंवा देगे, लाखो होगे, जो अब यह विश्वास करते है कि वे बचे हुये है, जो कि परमाणु युग के लिये चारा गिने जायेगे। हम अन्तिम घडी में रह रहे है। सर्वशक्तिमान परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, उसकी सहायता से उसके लोगो के लिये कि वे जल्द ही मसीह के प्रकट होने को सामने देख सके! "भाई ब्रन्हम, कितनी देर और? " हो सकता है 20 वर्ष, हो सकता है पचास वर्ष; हो सकता है सौ वर्ष। मैं नही जानता। और हो सकता है इसी प्रात:, हो सकता है अभी आज रात्रि, मैं नहीं जानता और कोई कहता है, वे जानते है, वे गलत है। समझे? वे नहीं जानते। केवल परमेश्वर जानता है।

322 अब ध्यान दे। परमेश्वर के द्वारा मेरी सहायता हो, मैं सच बताता हूं कि यह मेरे लिये आत्मिक पहचान है, पवित्र आत्मा के द्वारा परखना। और उन सब के द्वारा, बाइबल में अपने स्थान को प्रमाणित किया।

323 अब, यह बडा भेद इस मोहर के नीचे क्या है, मैं नहीं जानता मैं यह नही जानता, मैं इसे समझ नहीं सका। मैं यह नहीं बता सकता कि यह क्या—कि इसने क्या कहा, परन्तु मैं यह जानता हूं कि यह वे सात गर्जन स्वयं में बोल रही है ठीक मिल कर साथ बार सात भिन्न समय में धमाका कर रही है, और यह किसी और चीज में खुल गयी जो मैने देखा। तब, जब मैने यह देखा मैने अनुवाद कि प्रतीक्षा की, यह वहाँ से उड कर निकला और मैं समझ नहीं सका। यह बिल्कुल ठीक बात है। समझे? यह घडी अभी इसके लिये नहीं है।

324 परन्तु यह चक्र में चल रहा है, देखिये यह समीप आ रहा है, इसलिये आपके करने के लिये यह है कि याद रखे, कि मैं यह आपसे प्रभु के नाम में बोल रहा हूं। तैयार रहे, क्योंकि आप नहीं जानते कि किस समय कुछ हो सकता है।

325 अब, जब यह टेप पर आ जाता है, जो कि यह है, यह सम्भवत: मेरे दसियो हजार मित्रो को मुझ से अलग कर देगा क्योंकि वे यह कहने जा रहे है कि, "भाई ब्रन्हम अपने आपको एक एक दास या एक भविष्यद्वक्ता या कुछ परमेश्वर के सामने रखने या बनाने कि कोशिश कर रहे है।" मेरे भाईयो, मैं आपको बता दूँ, यह एक गलती है।

326 मैं केवल आपको वह बता रहा हूं जो मेने देखा है और जो मुझे बताया गया है। और अब आप—आप चाहे जो चाहे। मै नहीं जानता कौन जा रहा है... क्या घटित होने जा रहा है, मैं नहीं जानता मैं बस यह जानता हूं कि वे सात गर्जने उस भेद को रखती है, कि स्वर्ग शांत था, हर कोई समझ गया? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] यह समय हो सकता है, अब यह घडी हो सकती है, कि यह महान व्यक्ति जिसके दृश्य में उठने कि हम आशा करते है दृश्य में उठे।

327 होने पाये यह सेवकाई जो कि मैने यत्न किया है कि लोगो को वचन पर वापस लाऊ, नेव रख दी है; और यदि यह, तो मैं आपकी भलाई के लिये छोड रहा हूं, यहाँ हम दोनो एक समय में नहीं हो सकते। समझे? यदि यह है, वह बढेगा; मैं घटुगा। मैं नहीं जानता।

328 परन्तु मुझे परमेश्वर के द्वारा सौभाग्य मिला कि देखू और निहारु कि यह क्या था, देखिये, देखिये इतना ही खुला। अब यह ही सत्य है।

329 और मैं निश्चित हूं कि आपने ध्यान दिया है वे बाते जो इस सप्ताह में घटित हो रही है। मुझे निश्चय है कि आपने ध्यान दिया है, वह छोटा कोलिन्स लडका उस रात्रि वहाँ पडा मर रहा था; वह छोटी लिक्यूमिया वाली लडकी।

330 परमेश्वर का राज्य आ रहा है। और यह निगेटिव से पोजिटिव में अधिक हो रहा है जैसे कि यह था। अब यह लोगो का दम नहीं घुटना चाहिये, न्यायोचितता से पवित्रीकरण से पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और फिर *यहाँ, यहाँ*। समझे? हम ठीक परमेश्वर के समीप आ रहे है, सारे समय।

331 क्या आप मैथोडिस्ट के सेवको नहीं देख सकते, कैसे आपका पवित्रीकरण का सन्देश लूथर ने जो प्रचार किया उससे ऊपर था?

332 आप पेन्टीकोस्टलो क्या तुम्हारा सन्देश बपतिस्मे का नहीं देख सकते जो मैथोडिस्टो ने प्रचार से आगे था? आप जानते है, मेरा क्या अर्थ है?

333 ओह, हमारे पास बहुत सी चीजे है आगे बढने को! और यह ठीक बात है। और यदि कोई जो गलत का तिरस्कार करता है और लोग कह रहे हैं, कुछ जो वास्तव में झूठ है और सच नहीं है, मैं उस से घृणा करता हूं।

334 परन्तु मैं ठोस सत्य से प्रेम करता हूं, कोई मतलब नहीं इसका कितना भी अनुवाद किया जाये, *इस* तरह से, *उस* तरह से। यदि यह सत्य है। परमेश्वर अंत: इसे सत्य के समान ही दिखा देगा। और यदि वह यह नहीं करता, जल्द ही इन्ही दिनो में तो फिर मेरे दर्शन सही नहीं थे। अब आप देखिये कि मैने अपने आप को कहाँ रखा है।

335 "भाई ब्रन्हम यह कब होगा?" मैं आपको नहीं बता सकता। मैं नहीं जानता।

336 परन्तु इन्ही दिनो में से एक दिन, यदि हम इस पृथ्वी पर फिर से कभी भी ना मिल सके तो फिर हम सामने मिलने जा रहे है, वहाँ मसीह के न्याय सिंहासन के सामने। और आप पायेगे, कि, उस कमरे में प्रकाशन परमेश्वर की ओर से आ रहा है, जैसे कि वे सब बाकी थे, कि वे... उस मोहर का एक भेद कारण कि वह प्रकट नही किया गया, ये सात गर्जने थी जिन्होने अपनी आवाजे निकाली। और यह वहाँ बिल्कुल ठीक है क्योंकि इसके

विषय में कुछ नहीं जाना गया। यहाँ तक कि यह लिखा भी नहीं है। इसलिये हम अन्त समय में है। हम यहाँ है। उसके वचन के लिये मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं।

337 मैं यीशु मसीह के लिये उसका धन्यवाद करता हूं। क्योंकि उसके भेजे बिना जो हमारे पापो का प्राश्चित है, हम पापो की गन्दगी में होते, बिना किसी आशा के। परन्तु उसके अनुग्रह के द्वारा, उसका लहू सारे पापो को धो देता है। जैसे कि निरंजक की बाल्टी में स्याही की बूंद, आप स्याही को फिर कभी नहीं पायेगे। जब हमारे पाप स्वीकार कर लिये जाते है ये यीशु मसीह के लहू में डाल दिये जाते है; वे फिर कभी नहीं जाने जाते। परमेश्वर उन्हे भूल जाता है; वे कभी भी किये ही नहीं गये, और जब तक वह बलिदान वहाँ हमारे लिये प्राश्चित के लिये रखा है तब वह प्रयाप्त है। यही है, देखिये। हम—हम फिर और पापी नहीं है। परमेश्वर के अनुग्रह से मसीही है। अपने आप में यह याद रखे, हम सम्भवत: वैसे ही बुरे होगे जैसे कभी थे। परन्तु, देखिये, परमेश्वर का अनुग्रह हम पर प्रकट हुआ है, और यही जिसने हमें बनाया है, जो आज हम है, मसीही भाई और बहन।

338 यह मेरे लिये आश्चर्यजनक सप्ताह रहा। मैं थक गया। मेरा मस्तिष्क थक गया। क्योंकि मैं—मैं... अपने सबसे अच्छे से जो मैं कर सका और हर दिन कुछ विचित्र चलता रहा, मैं विस्मित रहा; कमरे में चलते हुये, और वहाँ कुछ मिनटो के लिये, और कुछ देखा, मुझे पूरी तरह से घुमा दिया।

339 और यहाँ मैं उसमें जाऊगा और टिप्पणियो को लुगा। मैने डॉक्टर स्मिथ की पुस्तके उठाई, उरिया स्मिथ, और, ओह, और सारे लेखक और हर चीज और उसमें पढा, उनकी पुस्तको में पढा। मैं कहता हूं, "अब *यहाँ* छठवी मोहर है। *यहाँ* चौथी मोहर है। अब यह मनुष्य क्या कहता है? वह कहेगा, 'भाई यह *ये, वह* था *कुछ* था।'" मैं इधर देखुगा और दूसरे व्यक्ति को लुंगा। वह कहेगा यह *ऐसे–ऐसे* था। और यह ऐसा लगता है, मैं बस... इसने ठीक काम नहीं किया। समझे?

340 तब मैने सोचा, "प्रभु यह क्या है?" और मैं फर्श पर चहल–कदमी करता हूं थोडी देर के लिये। और मैं घुटने टिका कर प्रार्थना करता हूं। और वापस जाकर बाइबल उठाता हूं, बैठ जाता हूं पढता हूं। आगे–पीछे चलता हूं।

341 तब अचानक से जब मैं शांत हो गया, यहाँ यह इस प्रकार खुल गया। तब मैं जल्दी से कलम उठाता हूं, और इस प्रकार से लिखता जाता हूं, मैं जो कुछ भी देख रहा हूं और कर रहा हूं। इस पर ध्यान दे रहा हूं, इस प्रकार से, जब तक कि मैने इसे लिख नहीं लिया।

342 तब मैं इसे लुंगा और बाकी दिन जाकर इसे खोजता हूं, और देखता हूं की यह सारे वचनो में से होते हुये मेल खाता है, हर प्रकार से। तब, "सारी बातो को सिद्ध करता है।" समझे? मैने इसे यहाँ पाया।

343 और मैं सोचता हूं, "अब कितनो ही लोगो को दर्शन मिले थे, वहाँ बहुत से प्रकाशन थे।" यदि यह वचन के विरोध में है; तो इसे छोड दे; यह ठीक बात है इसे छोड दे।

344 अब, अब, तब मैं इसे लेकर चलता हूं, *इस* प्रकार से, इसे *इस* प्रकार से लेकर चलता हूं। मैं छोटी–छोटी बातो को यहाँ जोडता हूं। मैने सोचा, "भाई अब कक्षा इसे सुन कर आनंन्दित होगी, क्योंकि यह *यहाँ* मेल खाता है, और *यहाँ* पर। अब आईये देखे, यह *यहाँ* पर क्या कहता है? जी हाँ, और हाँ *यहाँ* ये है, ठीक *यहाँ*।" समझे?

345 और इसे बाइबल में होकर निकालता हूं, और चीजो को सप्ताह भर में होकर मिलाता हूं। ये यहाँ टेपो पर है। आपका उनके लिये स्वागत। और मैने यह अपने सबसे अच्छी जानकारी से किया है, मसीही संगति में, परमेश्वर का अनुग्रह सब मनुष्यो के लिये यीशु मसीह के द्वारा। मैने अपना सबसे अच्छा किया है, जो मैं जानता हूं कि कैसे करु।

346 अब आप लोग सबसे अच्छे लोगो में से है। कोई इतनी भली प्रकार से नहीं बैठ सका। आप सब यहाँ एक बजे आये दिन में, और पांच बजे तक कि, जब भी यह खुले, यह अराधनालय और लाये... लोगो को अन्दर आने दो आप लोग ठंड में खडे हुये; आप लोग बर्फ में बैठे आप लोगो ने सब कुछ किया दीवारो के चारो ओर लग कर खडे हुये जब तक कि टांगे ना दु:ख गयी, मैं पुरुषो को देखता हूं, बैठे है; स्त्रियो को बैठने दिया। और अलग–अलग इस प्रकार खडे हुये चारो ओर बैठे है। मैने सोचा, "प्रभु, सारा... "

347 यह सप्ताह भेद भरा रहा। सारी चीजे एक प्रकार से विचित्र थी, कैसे कब लोग आये उन्हे चारो ओर खिडकियो में खडे हुये देखा, दरवाजो पर, पीछे चारो ओर पीछे, सब जगह, सुन रहे है। और जहाँ तक एक वक्ता मैं

एक वक्ता से बहुत दूर हूं, मेरे—मेरे पास इतनी समझदारी है कि मैं जानता हूं मैं नहीं हूं, मै वक्ता नहीं हूं। परन्तु क्यों लोग बैठेगे और इस प्रकार सुनेगे? वे क्यों यह करेगे? वे मुझ जैसे व्यक्ति को सुनने नहीं आते। परन्तु वे आ रहे है, क्योंकि इसमें कुछ है कि लोगो को खींच रहा है। समझे? इसमे कुछ है जो इन्हे खेंच रहा है।

348 जैसे कि मेरी पत्नी यहाँ मंच पर खडी हुयी और गाया जब मैने आरम्भ किया:

वे पूर्व और पश्चिम से आये,
वे दूर देश से आये,
कि राजा के भोज में खाना खाये उसके नेवते हारियो
के समान;
यह तीर्थ यात्री कितने धन्य है!
उसके पवित्र मुख को ताक रहे है
एक दिव्य चमक कि ज्योति के साथ;
उसके अनुग्रह के सबसे धन्य भागीदार
उसके ताज में रत्नो के समान चमक रहे है।

349 आप सदा अपने मस्तिष्क में रखने पाये, "यीशु मसीह के ताज में एक रत्न बनू।" पौलूस ने कलीसिया से कहा, "तुम लोग—तुम लोग उसके ताज में एक रत्न हो।" हम यीशु मसीह के ताज के एक रत्न होना चाहते है।

350 हम नहीं चाहते, इसमे किसी मनुष्य को ना डाले। आप मेरे विषय में कुछ भी भूल जाये। मैं आपका भाई हूं, एक पापी अनुग्रह से बचाया हुआ जीने के योग्य नहीं। यह बिल्कुल सच है, मैं नम्र बनने के लिये यह नहीं कह रहा हूं; यह सत्य है। मुझ में कुछ नहीं है, एक अच्छी बात नहीं, बिल्कुल नहीं।

351 परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह ने मेरी बेचारी धुंधली आँखों को समय के पर्दे के पार देखने दिया और उन चीजो को सामने देखा, और मैं वापस आया।

352 जब मैं एक छोटा लडका था, मैने लोगो से प्रेम किया। मैं हमेशा चाहता था कि कोई मुझ से प्रेम करे और मुझ से बाते करे। किसी ने यह नहीं किया, मेरे परिवार के नाम के कारण। कोई मुझ से बात नहीं करेगा।

353 परन्तु जब मैने अपने आप को परमेश्वर को समर्पित कर दिया, तब... हमारे लोग, पृष्ट भूमि आईरिश होने के नाते, मैने सोचा, "सम्भव है... वे

सारे कैथोलिक थे, और हो सकता है वह यह रहा होगा।" मैं *वहाँ* गया, और वह किसी प्रकार से था। और मैं पहले बैपटिस्ट कलीसिया में चला गया और वह दूसरे मार्ग से था।

मैने कहा, "प्रभु कोई तो मार्ग होगा जो सत्य का है।"

और किसी चीज ने कहा, "यह वचन है।"

मैने वचन पकड लिया है, हर कही हर दर्शन को देखे।

354 वह दिन मैने कोने के पत्थर को वहाँ रखा और इसे वहाँ रखा मैने उस पर वह लिखा जो उसने मुझ उस प्रात: दर्शन में दिखाया था। "समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार कि सहनशीलता के साथ उलहाना और शिक्षा दे, क्योंकि ऐसा समय आयेगा, जब लोग खरा उपदेशक ना सह सकेगे; पर अपने कानो की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओ के अनुसार, अपने लिये बहुत से उपदेशक बटोर लेगे; और अपने कान सत्य से फेर कर कथा कहानियो कि ओर लगायेगे।" और मैने वे दो पेड देखे, जिनके पास मैं खडा हुआ उन्ही बातो को किया, यह ठीक बात है हम वहीं पर है। और यह सत्य है। और अब आप नहीं होगे...

355 याद रखे। मैं फिर से आपको उत्साहित करु। मत कहिये, "आपको धन्यवाद," किसी को भी नहीं, बिल्कुल नहीं, इस पर सोचे, नहीं कहे, कोई सेवक या कोई—किसी मरणहार को; उसके विषय में कुछ भी अच्छा नहीं। क्योंकि कोई नहीं। मैं चिन्ता नहीं करता वह कौन है। किसी मनुष्य में कुछ अच्छा नहीं। यह ठीक बात है।

356 यदि यहाँ सारी तुरहियाँ रखी हो और उन में एक किसी निश्चित संगीत से अलग सुर दे, ये मनुष्य है. वे तुरहियाँ पूरी रीति से मूक है। यह तो व्यक्ति है जो तुरही को बजा सकता है, जो जानता है वह क्या करने जा रहा है, जिसने तुरही उठायी है। तुरही को इससे कुछ लेना–देना नहीं। आवाज तो उसके पीछे कि बूध्दि से आ रही है। यह ठीक बात है। इसलिये सारी तुरही एक सी है।

357 सारे मनुष्य एक से है, सारे मसीही एक से है, हममें से कोई महान पुरुष नहीं है, हम बडे पुरुष नहीं है ना ही महान स्त्रियाँ। हम सब भाई और बहने है, सब एक से, एक ही घेरे में। हम "महान" नहीं है। कोई अपने को दूसरे से बडा ना बनाये, एक चीज में नहीं, करने को। नही, श्रीमान। परन्तु हम सब बस मनुष्य है।

358 चीजो का अनुवाद करने का यत्न ना करे। कुछ भी और करने का यत्न ना करे, साधारण जीवन जीये यीशु मसीह को महिमा और आदर देते हुये। अब हर कोई इसे समझ गया? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] आमीन। उसे पूरे ह्रदय से प्रेम करे। क्या आप यह करते है? ["आमीन।"]

मैं उससे प्रेम करता हूं, (और मैं करुगा!) मैं उससे प्रेम
करता हूं
क्योंकि पहले उसने मुझ से प्रेम किया
और मेरे उध्दार को खरीदा,
उस कलवरी वृक्ष पर।

359 परमेश्वर की महिमा हो! क्या सब अच्छी प्रकार से समझ गये? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या हर कोई विश्वास करता है? ["आमीन।"] स्मरण करे जब मैने पहले आरम्भ किया, "किसने हमारी बातो का विश्वास किया? किसी पर प्रभु का भुजबल प्रकट हुआ? " क्या उसने आप पर प्रकट किया, उसका अनुग्रह उसकी भलाई? ["आमीन।"] आमीन, बस स्मरण रखे, अपने पूरे ह्रदय से उससे प्रेम करे।

360 अब मैं घर वापस जा रहा हूं। मैं फिर यहाँ वापस आऊगा प्रभु ने चाहा पहली जून के आस–पास।

361 हो सकता है, यदि प्रभु मेरे ह्रदय में डाले, हो सकता है जल्द किसी समय गर्मी में, जैसे जून या कहीं, हो सकता है, जाडे से पहले, यदि प्रभु रुका रहता हैं, मैं वापस आना चाहता हूं और दूसरी सात राते सात तुरहियो के लिये तय करुगा। क्या आप यह पसन्द करेगे? क्या आप ये पसन्द करेगे? ["आमीन।"] क्या आप मेरे लिये प्रार्थना करेगे कि परमेश्वर मेरी सहायता करेगा? ["आमीन।"] ठीक है।

362 जब तक हम फिर से ना मिले, याद रखे ये अच्छा पुरान गीत है:

मैं उससे प्रेम करता हूं, मै उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उध्दार को खरीदा
कलवरी के वृक्ष पर।

363 मैं चाहता हूं कि आप अपना सिर झुकाये। मैं आपके लिये प्रार्थना करना चाहता हूं। इसके पहले कि पास्टर विर्सजित करे, मैं आपके लिये प्रार्थना करना चाहता हूं।

364 हमारे स्वर्गीय पिता, होने पाये, प्रभु, लोग समझे। जो कि मैं निश्चित हूं कि यहाँ कुछ हैं, जो नहीं समझे। परन्तु पिता, होने पाये वे—वे उदेश्य को जान जाये और वे समझ जाये पिता, ये—ये आपका अनुग्रह उनके लिये कि ये बाते प्रगट की गयी है। और प्रभु मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं, इस ज्ञान की जानकारी के लिये कि ये बाते तूने हम पर प्रकट की है।

365 और मैं हर एक के लिये प्रार्थना करता हूं जो यहाँ पर है हर एक जो सभाओ में उपस्थित हुआ है। यदि कोई ऐसा हो जो विश्वास ना करता हो, प्रभु होने पाये वे विश्वासी हो जाये।

366 मैं उनके लिये प्रार्थना करता हूं वे सब जो टेपो के द्वारा सन्देश को सुनेगे। और यदि यह पहुँचे, जो कि यह पहुचेगा, कोई सन्देह नहीं, घरो में और स्थानो में बहुत से अविश्वासी जो सहमत नहीं होगे; परन्तु, पिता मैं प्रार्थना करता हूं कि प्रत्येक कि इसके पहले वह कोई निन्दा का शब्द बोले, वे पहले बैठ कर वचनो में खोजे जो कि उसके द्वारा कहा गया है, और तब आप से कहे कि वे सच में निष्कपट है और जानना चाहते है कि यह सच है या नहीं। और पिता मैं उनके लिये प्रार्थना करता हूं।

367 मैं इन लोगों के लिये प्रार्थना करता हॅू जो दीवारो के साथ–साथ खडे हुये, जो बाहर की ओर खडे हुये, जो अपनी कारो में बैठे, उन छोटे बालको और सब जो वहाँ थे। और वे सारे, प्रभु, मैं उनके लिये प्रार्थना करता हूं।

368 और मैं प्रार्थना करता हूं कि मेरी प्रार्थना का उत्तर आयेगा कि आप उन्हे आशीषित करेगें। प्रभु, पहले हर एक को अनन्त जीवन दे, मैं प्रार्थना करता हूं कि उन में से एक भी नष्ट ना हो, एक भी नहीं।

369 और अब पिता, हम नहीं जानते कि यह महान घटना कब घटेगी परन्तु जब हम इन चिन्हो को प्रकट होते देखते है, वचन की घटनाये यह हमारे ह्रदय को सीमा से अधिक गर्मा देता है। और पिता परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारी सहायता करेगे।

370 मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमारे प्रिय पास्टर भाई नेविल की सहायता करेगे। प्रभु, उसे अपने पूरे अनुग्रह की सामर्थ में बना ले, और समझ के साथ ताकि वह इस रखे हुये खाने को लेकर परमेश्वर के मेम्नो को खिलाये।

371 प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप बीमारियो को हम से दूर रखे। ऐसा होने पाये कि जब लोग बीमार हो जाये कि वे प्रभु यीशु कि उपस्थिति और

सर्व सामर्थी लहू को याद करे जो वेदी पर है, प्राश्चित करे। और मैं प्रार्थना करता हूं कि वे तुरन्त चंगे हो जायेगे।

372 और मैं प्रार्थना करता हूं कि अब शैतान की शक्ति को उन से दूर रखेगे, उन्हे हतोत्साहित करे कि उन्हे यह यत्न करने दे कि पंथ बनाये। या शत्रु की सारी सामर्थ दूर कर दे प्रभु, हमे अपने वचन के लिये पवित्र कर दे, इसे प्रदान करे, प्रभु।

373 तब, प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मेरी सहायता करेगे। मैं—मैं—मैं निर्बल होने लगा हूं, प्रभु, मैं जानता हूं मेरे दिन और बहुत सारे नहीं हो सकते। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मेरी सहायता करेगे, कि मैं सच्चा बना रहूँ, प्रभु और ईमानदार और निष्कपट, ताकि मैं सन्देश के योग्य हो सकू जहाँ तक यह मुझे अपनाये रखने के लिये ठहराया गया है। और जब यह उस समय पर आता है कि मुझे लेट जाना चाहिये, और उस नदी पर पहुँचू और लहरे अन्दर आने लगे, ओह परमेश्वर होने पाये मैं योग्य हो सकू कि इस पुरानी तलवार को मैं किसी को सौप सकू जो इसके साथ ईमानदार रहे प्रभु और सत्य को लेगा। प्रभु इसे प्रदान करे। और तब तक मेरी सहायता करे कि मैं मजबूत और स्वस्थ और हिम्मतवाला बना रहूं।

374 मेरी कलीसिया की सहायता करे। प्रभु हमे एक साथ आशीषित करे। हम आपके है। हम अनुभव करते है कि आपका आत्मा हमारे मध्य में है, हम ये विश्वास करते है कि आप हमारी प्रार्थनाओ का उत्तर देगे, क्योंकि हम अपने को आपको समर्पित करते है, आपके वचन के साथ, सेवा के लिये अपने बाकी जीवन के दिनो के लिये जो इस पृथ्वी पर हैं, परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह हमारे प्रिय बचाने वाले, उसकी महिमा के लिये। आमीन।

> मैं... [परमेश्वर आपको आशीष दे!]... मैं उससे प्रेम करता हूं, [अपने पूरे हृदय से।]
> क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया।

375 भाई नेविल परमेश्वर आपको आशीष दे... ? ... [सभा निरंतर गाती है, मैं उससे प्रेम करता हूँ, भाई नेविल प्रार्थना में विसर्जित करते है।—सम्पा।]... ? ...

376 [... भाई ब्रन्हम ने पिछले मूल भाव को परिच्छेद 261—374 तक जारी नहीं किया था परन्तु बजाये सोमवार तक जारी रखा मार्च 25, 1963 तक परिच्छेद 377—414 *सातवी मोहर* की अधिकृत समाप्ती है, उस समय टेप बाटे जाने थे।—सम्पा।]

377 अच्छी बात होगी कि वह इस विषय में कुछ नहीं जानता, क्योंकि यदि जानता होता तो वह नकल करता, यह उसकी चालाकी इन चीजो के करने में है।

378 इसलिये परमेश्वर ने इसे ऐसा बनाया कि सारे संसार से छिपा रहे, यहाँ तक कि स्वर्ग से, कि इसे समझने कि कोई विधी नहीं है, केवल जैसे कि परमेश्वर स्वयं इसे प्रकट करेगा।

379 अब मैं चाहता हूं कि आप आज रात्रि ध्यान दे, कि छठवी मोहर में, वहाँ छठवी मोहर का तीन तह का उदेश्य है।

घुडसवारो का तीन तह का उदेश्य था।

380 इन सारी चीजो में तीन तह का उदेश्य रहा है, जो कि हमें वापस तीन पर लाता है। और एक सात फिर से देखिये सात मोहरे, सात कटोरे और आदि। अब इन तीनो और सातो में यह परमेश्वर के अंक उसके गणित में उसके वचन के प्रकाशन में।

381 अब आप ध्यान दे, जैसे कि सवारो में, अब वहाँ तीन घोडे बाहर निकले। उनमे से एक सफेद वाला एक लाल वाला, एक काला वाला था। और तब चौथे घोडे में क्यों, वे सब एक में मिल गये थे। देखिये, एक तीन तह का उदेश्य।

382 अब, परमेश्वर ने वही चीज की, परमेश्वर ने वही किया, जब उसने अपना सिंह भेजा, जो कि उसका वचन था कि मसीह विरोधी का सामना करे।

383 तब हम ये पाते है कि उसने पीढा काल के समय में बैल को भेजा, बलिदान का पशु। और इस पीढा के काल में यही जो सारे लोग कर सके, बस कार्य था, गुलाम और स्वयं का बलिदान के लिये दे देना।

384 और तब हम अगले युग में पाते है, जो कि सुधारको का युग था, परमेश्वर ने मनुष्य कि बुध्दि को भेजा, पशु पर मनुष्य का सा सिर, जो कि एक सामर्थ थी, जो कि सुधारको में होकर गयी।

385 क्या आपने ध्यान दिया? हर कोई आश्चर्य नहीं कि इन दिनो के लोग अब भी उस बीते हुये समय में जी रहे है, जैसे कि यह सुधारको का युग था, क्योंकि वे इसे पुरोहितवाद के मार्ग में होते हुये इसे देख रहे है। वे इस धर्म विज्ञान कि विधी में देखते है, जो सिखाया गया एक समय। यह परमेश्वर का मार्ग था, परन्तु हम बीते समय को जी चुके।

386 अब हम उकाब के युग में है, प्रकाशन का प्रकट होना, सारी बात। अब इसकी तुलना प्रकाशितवाक्य 10 अध्याय से करे, पद एक से सात और हम यहाँ इस प्रकाशन में देखगे, यहाँ प्रकाशितवाक्य 10:1 से 7, "ये सातवे दूत के सन्देश देने के दिनो में, परमेश्वर के सारे भेद समाप्त हो जायेगे।"

387 अब हम यह भी पाते है कि इसमे, कि छठवी मोहर अब खुल रही हे, यह तीन तह उदेश्य के लिये थी। अब यहाँ वह उदेश्य था।

388 पहली चीज जो थी कि मूर्ख कुवारियो को शुद्ध होने के लिये पीढाओ के काल में से निकलना है। उसे अपने अविश्वास के पाप से शुद्ध होना है और सन्देश को अस्वीकार करने। यह इसने पीढा के काल में कर लिया। हम देखते है वे प्रकाशित सात में वे समाप्त हो गये, यहाँ छठवे और सातवे अध्याय के बीच में ये यहाँ शुद्ध हुयी थी और उससे उसके वस्त्र दिये गये। अब यह दुल्हन नही है। परन्तु यह कलीसिया है, निषकलंक लोग जिन्हे—जिन्हे—जिन्हे सौभाग्य नही मिला, सम्भव है संदेश स्वीकारने का या किसी प्रकार से वे इन झूठे भविष्यद्वक्ताओ के द्वारा अन्धे किये गये। और उन्हे—उन्हे अवसर नहीं मिला, और वे फिर भी ह्रदय से वास्तव में निष्कपट है। और परमेश्वर उनके ह्रदय को जानता है। और वे यहाँ शुद्ध किये गये, इस समय के चलते।

389 आप इस पर ध्यान दे, दूसरा शुद्ध होने का समय, यह इस्त्राएल के लिये है, जब वह जमा होते है। यह दूसरी तह है। परमेश्वर ने इस्त्राएल को पीढा के काल में शुद्ध किया। करोडो में से वे वहाँ एकत्र होगे वहाँ चुने हुये एक लाख चवालीस हजार होगे और वे भी शुद्ध किये जायेगे। परमेश्वर इस्त्राएल को शुद्ध कर रहा है।

390 ध्यान दे, यहाँ पूरी पृथ्वी शुद्ध होनी है। वहाँ ऐसी चीज होगी कि चांद, सितारे और सारी प्रकृति शुद्ध की जायेगी। आप देखिये यह क्या है? पृथ्वी अपने आप को नया कर रही है, शुद्ध होने से, सहस्त्रशताब्दी के लिये,

तैयार हो रही है। सहस्त्रशताब्दी के लिये, तैयार हो रही है। सहस्त्रशताब्दी आ रही है। और, देखिये, हर चीज जिसमे कोई गन्दगी है, उसे छठवी मोहर के समय में शुद्ध होना है।

391 अब, अब क्या आपने ध्यान दिया? इस सातवी मोहर के खुलने पर यह भी तीन तह के भेद में है। यह वाला मैने कर दिया... बोलुगा और बोल दिया, कि यह एक भेद है सात गर्जनो का स्वर्ग में सात गर्जने इस भेद को खोल देगे।, यह ठीक मसीह के आगमन पर होगा, क्योंकि मसीह ने कहा कोई नहीं जानता कि वह कब लौटेगा।

392 आपने ध्यान दिया, जब यहूदियो ने यह उस से पूछा? जानते... जब हम यहाँ मत्ती 24 में वचन की तुलना करते है छ: मोहरो के साथ, सातवी वाली छोड दी गयी। क्योंकि आप देखते है, मसीह ने कहा, "केवल परमेश्वर स्वयं जानता है; यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी नहीं।" कोई आश्चर्य नहीं कि यह लिखी भी नहीं है। आप देखिये, वे शांत हो गये, तब कुछ भी घटित नहीं हुआ। स्वर्गदूत इसे नहीं जानते। कोई नहीं जानता, वह कब आ रहा है।

393 परन्तु वहाँ—वहाँ इन गर्जनो कि सात आवाजे होगी और यह उस महान प्रकाशन को उस समय प्रकट करेगी। मैं ऐसा विश्वास करता हूं, हमें जो... यदि हम ये नहीं जानते, और यदि हम... यह समय तक नहीं जाना जायेगा। परन्तु यह उस दिन में प्रकट किया जायेगा उस घडी में जिसमें इसे प्रकट होना है। इसलिये हमारे करने के लिये यह चीज है कि परमेश्वर के सामने श्रध्दा के साथ रहे और उसकी सेवा करे और वह सब करे जो हम जानते है कि कैसे करे और अच्छा जीवन जीये, मसीही जीवन। यहाँ अब, हम पाते है कि छठवी मोहर हमारे लिये खोल दी गयी है; हम इसे देखते है। और हम जानते है कि यह सातवी मोहर लोगो के लिये नही तोडी जा सकती जब तक कि वह घडी ना आये।

394 अब वहाँ कोई कारण था कि परमेश्वर ने इन सात आवाजो को गर्जने दिया क्योंकि... हम पाते है कि मसीह ने मेम्ने ने पुस्तक को अपने हाथ में ले लिया और उसने वह सातवी मोहर खोल दी, परन्तु आप देखिये, यह छिपा हुआ भेद है। इसे कोई भी नहीं जानता। परन्तु ये—ये ठीक उसके साथ है जो उसने कहा, "कोई भी उसके आगमन को नहीं जान पायेगा।" वे भी इसे नहीं जान पायेगे, इस सात गर्जन के भेद को। इसलिये, आप देखिये यह आपस में जुडी है।

395 हमारे पास इसकी इतनी ही समझ है, आज क्योंकि इसका बाकी बस खुल गया है; परन्तु यह नहीं खुली। परन्तु अपने कमरे में बैठे हुये, और मैने यह सुना... या सुना नहीं बल्की इसे सात गर्जनो में खुलते हुये देखा। अब हम यही तक जहाँ हम जा सकते है, ठीक वहाँ।

396 और अब मैं यह विश्वास करता हूं कि हम में प्रत्येक, आप परमेश्वर की सेवा करेगे, और जो ठीक है वही करते है। और अपने सारे जीवन भर उससे प्रेम करेगे और उसकी सेवा करेगे और बाकी की चिन्ता परमेश्वर करेगा।

397 अब हमारे इसकी पूर्णता में यहाँ अब, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, वे सारे भेद छ: मोहरो के जो मोहर बंद थे और हम समझते है, और जानते है कि यहाँ वह सातवी मोहर लोगो के जानने के लिये नहीं है।

398 अब उसका आगमन, उसके आगमन कि घडी में, जब पृथ्वी का नाश, आप जानते है। उसने वहाँ कहा, "पृथ्वी के अन्त के आने का क्या चिन्ह होगा? " मत्ती 24 में वहाँ जहाँ उन्होने उससे ये प्रश्न पूछा। वह उस पर गया, उसने इस्त्राएल के एक राष्ट्र के समान एकत्र होने के विषय में बताया, 31 वे पद में मत्ती 24:31 के, परन्तु तब वह दृष्टान्तो पर आरम्भ हो गया देखिये। तब आप देखिये... "अंजीर के वृक्ष का दृष्टान्त सीखो, जब तुम उसमे कोपले निकलती देखते हो, क्यो तुम जानते हो कि ग्रीष्म काल निकट है। और जब तुम इन बातो को होते हुये देखो, तब जान लो समय निकट है।" देखिये इस्त्राएल अपने राष्ट्र में एकत्र हो रहा है। परन्तु आप ध्यान दे, उसने इस सातवी मोहर के प्रकाशन को छोड दिया।

399 और यहाँ, जब सातवी मोहर जब उसने इसे खोला, उसने इसे फिर छोड दिया, देखिये, इसलिये हम इसे देखते है कि यह एक पूरा भेद है, इसलिये, इस भेद को जानने के लिये वह घडी अभी नहीं है। इसलिये हम यहाँ तक है और बाकी सब उस समय के आस–पास जाना जायेगा, कि यीशु इस पृथ्वी पर फिर से प्रकट होता है अपनी दुल्हन के लिये, या उस समय जो भी घटित होगा अब उस समय तक आईये हम सब प्रार्थना करे अच्छा जीवन जीये, सीधा, मसीही जीवन, उसके आगमन की प्रतीक्षा करे।

400 और अब यदि ऐसा हो, कि यह टेप किन्ही व्यक्तियो के हाथो में कहीं पडे, तो किसी प्रकार का कोई वाद इसमें से बनाने का यत्न ना करे, आप केवल एक काम करे, आप निरन्तर परमेश्वर की सेवा करते रहें। क्योंकि

यह भेद इतना बडा है कि यहाँ तक परमेश्वर ने यूहन्ना को नहीं लिखने दिया। यह गर्जा, परन्तु वह... जानते हुये हम से प्रतिज्ञा की यह खुलेगा। परन्तु इस समय, यह खुला हुआ नहीं है।

401 और अब हम परमेश्वर के आभारी है, कि जो उसने हमे दिखाया है। मै वहाँ कमरे में आठ दिन बैठा रहा। और सन्देश जो मुझे हाल में मिला आपको व्याख्या देता रहा, यहाँ आप में से बहुत से समझेगे। और मैने प्रतीज्ञा की है कि वहाँ कुछ आत्मिक चल रहा है, सारे समय जिसके लिये मैं निश्चित हूं कि आपको नहीं मालूम। और यहाँ जो यह है; यह वचन के इस अनुवाद का पूर्ण रीति से प्रमाण है कि परमेश्वर की ओर से भेजा जा रहा है।

402 क्योंकि इसके पहले कि हम इसमें जाते भी, मुझे पश्चिम जाने के लिये छोडना पडा, एक दिन प्रभु ने मुझे दर्शन दिया, लगभग 10 बजे एक सुबह। और मैने आकर इसको यहाँ बता दिया जो मैने देखा था; नहीं मालूम था कि यह क्या था, यह सात स्वर्गदूतो का झुण्ड था, हम इसे याद रखेगे आपके पास यह टेप पर है, जिसे "*यह कौन सा समय है, श्रीमान?* " कहा गया, अच्छा अब ठीक यही है जो आप देख रहे है, अब। सात स्वर्गदूत... मैं पश्चिम में था।

403 आपको याद है, छोटे वाले सन्देशवाहक; वे पूर्व में चले गये। दूसरे सन्देश वाहक, पिडुकिया, थोडी सी बडी चिडिया, वे पूर्व में चली गयी। और तब मैने देखा... वे मेरे साथ थे सारे समय। वह पहला और दूसरा खिचाव थे।

404 अब तीसरा पश्चिम से आया बहुत भयानक गति से सामने आ गया, और उन्होने मुझे ऊपर उठा लिया। यह वापस पूर्व में आ रहा था, उन सात मोहरो के भेद के साथ। जैसा कि यह जूनियर जैक्सन के स्वप्न में कहा गया था कि प्रभु ने मुझे उसके लिये अर्थ बताने दिया, "उस पिरामिड के भीतर की ओर, वहाँ एक सफेद पत्थर था वहाँ कुछ नहीं लिखा था।" यही कारण था कि मुझे पश्चिम में जाना था कि इसे स्वर्गदूतो के सन्देश के साथ जोडू कि यहाँ वापस आकर इसे कलीसिया पर प्रकट करु। स्मरण रहे, मैने कहा था, "अगली बाते जो हुयी यहाँ इस अराधनालय में होगी।" यह बिल्कुल ठीक बात है।

405 दूसरी चीज मैं चाहता हूं, कि आप ध्यान दे कि क्या हुआ। और यदि आप इस टेप को सुन रहे है, *यह कौन सा समय है, श्रीमान?*, आप ध्यान

देगे कि एक स्वर्गदूत मेरे लिये बहुत ही ध्यान देने योग्य था। और बाकी वे साधारण से प्रतीत होते थे। परन्तु यह स्वर्गदूत एक विशेष स्वर्गदूत था वह मेरे उल्टे हाथ पर था, उस झुण्ड में जो पिरामिड के रुप में था।

406 और, स्मरण रहे, यह पिरामिड में था, जहाँ वह भेदवाले सफेद पत्थर पर लिखा हुआ नहीं था। और स्वर्गदूतो ने स्वयं ही मुझे उस पिरामिड में उठा लिया, परमेश्वर के भेद केवल उन्हे मालूम थे। और अब, वे सन्देशवाहक थे उस पिरामिड का अनुवाद करने आये, या वह सन्देश इन मोहरो का वह गुप्तभेद जो कि पिरामिड के अन्दर रखा था।

407 अब, स्वर्गदूत मेरे उल्टे हाथ पर था, वही वास्तव में अन्तिम होगा या सातवा स्वर्गदूत, यदि हम उल्टे से सीधे को गिने। क्योंकि वह मेरे उल्टे हाथ पर था; मुझे देख रहा था, पश्चिम की ओर वह पूर्व की ओर आ रहा था, उल्टे हाथ कि ओर होगा। इसलिये वह अन्तिम दूत का सन्देश होगा, बहुत ध्यान देने योग्य। स्मरण रहे, मैने कैसे कहा, उसके ये उसका सिर पीछे को; और उसके बडे नोकिले पंख और कैसे वह मेरी ओर सीधा उड कर आया, अब यह वह सातवी मोहर। यह अब भी ध्यान देने वाली चीज थी। और हम... हम नहीं जानते, यह क्या है, अब भी, क्योंकि इसे तोडने की आज्ञा नहीं है।

408 परन्तु अब, आप में से प्रत्येक ने जो सभा में है ध्यान दिया है कि यह कैसी सभा रही है! हर कोई ठीक प्रतीत हुआ अपनी कुर्सी के किनारे बैठा। और हर कोई जो चारो ओर खडे है, दोपहर एक दो बजे से, दरवाजो के खुलने की प्रतीक्षा में और कि यहाँ सामने को आ जाये, दीवारो के चारो ओर खडे है; अकडते हुये, हाथ पैरो के साथ, और सब कुछ।

409 यह क्या है? यह पवित्र आत्मा है जो इन संदेशवाहक को नीचे भेज रहा है और वे हम पर इसे प्रकट कर रहे है। और फिर ध्यान दे कि कैसे यह वचन में ठीक बैठता है, बिल्कुल ठीक।

410 और फिर आप सब को बता दू कि यह सत्य है, उसने यह लगभग दो महीनो पहले बता दिया था या अधिक, इसके पहले कि यह कभी घटित हो। यह जब मैं पश्चिम में गया, यह ना जानते हुये; यहाँ अनुवाद के साथ वापस आया हूं जैसे कि उसने मुझे यह दिया। अब याद रखे, इस दर्शन में, उसने मुझे दर्शन में एक बात कभी नहीं बताई, जब उसने मुझे ऊपर

उठाया, मैं डर गया था, डर गया कि मैं मरने जा रहा था, धमाके में मारा गया। आप देखिये, वे यह नहीं कर सकते थे।

411 अनुवाद वैसे ही आया जैसे मुझे इसकी आवश्यकता थी, यह कमरे में था, मैने इसे वैसे ही दिया जैसा यह मुझे दिया गया।

412 अब, मित्रो आप देखिये, दर्शन असफल नहीं होते। वे सदा सिद्ध होते है। वे बिल्कुल सच होते है।

413 अब दर्शन, जमा वचन, जमा इतिहास, जमा कलीसिया के युग और सब एक साथ मेल खाते है। इसलिये मैं सच में कह सकता हूं, वह जो मेरी सब से अच्छी समझ से है, और परमेश्वर के वचन के अनुसार और दर्शन और प्रकाशन इसलिये अनुवाद यहोवा यों कहता है, है।

414 अब परमेश्वर आप सब को आशीष दे, प्रत्येक को, वास्तव में बहुतायत से, जैसे कि हम यहाँ खडे हुये कलीसिया के अच्छे पुराने गीत को गाते है। परमेश्वर आप प्रत्येक को आशीष दे। आमीन।

415 [भाई ब्रन्हम नीचे दी चार पक्तियां मिलायी जो परिच्छेद 374 से ली, अपने पिछली सांझ के सन्देश, मार्च 24, 1963 से है।—सम्पा।]

मैं... (परमेश्वर आपको आशीष दे!)... मैं उससे प्रेम
करता हूं (अपने पूरे हृदय से)
क्योंकि उसने पहले मुझ से प्रेम किया।

भाई नेविल परमेश्वर आपको आशीष दे... ? ... अपने कार्य पद पर बने रहे... ? ...

सातवी मोहर HIN63–0324E

(The Seventh Seal)

सात मोहरों की श्रृंखला का प्रकटीकरण

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में, रविवार शाम मार्च 24, 1963 में ब्रन्हम टेबरनेकल, जैफरसनविले, इन्डियाना, यू. एस. ए. में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org